E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्षः 01 | अंकः 56 | पृष्ठः 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, मंगलवार 08 सितंबर, 2026 | मूल्यः ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

CJP ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- युवाओं को कॉकरोच की तरह जीने के लिए छोड़ा, अब मौतों पर आशीष सूद जवाब दें

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। इस घटना को लेकर CJP (कॉकरोच जनता पार्टी) प्रवक्ता सौरव दास ने सोमवार (7 सितंबर) को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। सौरव दास ने कहा अवैध तरीके से यहां भवन को बनाया गया, सुरक्षा के जो नियम हैं उनको ध्यान में नहीं रखा गया। उन घूसखोर अधिकारियों पर सरकार ने क्या कार्रवाई की? MCD से लेकर पीएम तक हर पद पर भाजपा के लोग बैठे हैं, फिर जान कैसे हो गई? CJP प्रवक्ता सौरव दास ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, राष्ट्रीय राजधानी में ऐसी घटना पहली बार नहीं हुई है। अब हमें पता चला है कि MCD ने खुद माना है कि यह बिल्डिंग ऐसे जोन में बनी थी, जहां इतनी मंजिलों की इजाजत नहीं थी। यह ज्यादा लोगों वाला PG था, फिर भी इसका कोई मंजूरशुदा बिल्डिंग प्लान नहीं था। इसके बावजूद, यह PG चल रहा था। सत्य निकेतन हादसे को लेकर उन्होंने सवाल किया काउंसलर से लेकर प्रधानमंत्री तक बीजेपी के लोग हैं, फिर बच्चे कैसे मर रहे हैं? कैसे छत गिर रही है? कैसे आग लग रही है? इसका जिम्मेदार कौन है? अभी दिल्ली में काउंसलर, मेयर, विधायक, सांसद, सीएम, पीएम, 10 इंजन की सरकार चल रही है। सरकार किसी की भी हो, आम आदमी पार्टी की हो या कांग्रेस की हो, जान तो बच्चों की ही जाती है। हमारे आंदोलन से सरकार ने क्या सीखा? कुछ नहीं। जिम्मेदारी सिर्फ अधिकारियों के स्तर पर नहीं, बल्कि मंत्रालय स्तर पर भी तय होनी चाहिए। सरकारी व्यवस्था पर तंज कसते हुए कहा, ब्लिंकिट का एंबुलेंस 15 मिनट में पहुंच जाता है, लेकिन आपदा की टीम को आने में घंटों लग जाते हैं। आज हम इसी पर जवाब मांग रहे हैं। सरकार में बैठे लोगों ने युवाओं को 'कॉकरोच' की तरह जीने के लिए छोड़ दिया है, इसलिए आज युवा जाग चुका है और सरकार से जवाब मांग रहा है। जब युवा सवाल पूछता है तो उसे 'नाराज फूफा' और 'दिमागी नक्सल' जैसे नाम दिए जाते हैं।

1. इस घटना की स्वतंत्र जांच की जाए। ये जांच सिर्फ बिल्डिंग मालिक की नहीं बल्कि सरकार में बैठे लोगों की भी हो जिनके संरक्षण से पीजी माफिया बन बैठा है।
2. एक टाइमलाइन के अनुसार इसमें फोकस ऐसे बिल्डिंग का हो जिसमें छात्र रहते हैं या पढ़ते हों
3. तेरह जिला स्तरीय समितियों के रिकॉर्ड सार्वजनिक हों। उसके सारे रिकार्ड ट्रांसपेरेंसी के साथ 48 घंटे में पब्लिश किए जाएं। इस कमेटी में कौन लोग हैं, कितने लोग थे। क्या बिल्डिंग उन्होंने चेक किए? कितने डिमोलिशन किए।
4. छात्रों के लिए सार्वजनिक वेबसाइट और डेटाबेस हो, जिससे पता चल सके कि छात्र जहां रह रहे हैं वो सेफ है या नहीं।
5. डीयू में 7 हजार छात्रों के रहने की व्यवस्था है। एक टाइमलाइन के साथ वहां ज्यादा से ज्यादा हॉस्टल का निर्माण हो।
6. मृतकों को 1 करोड़ और घायलों को 30 लाख की मदद राशि दी जाए।
7. जो मंत्री इस घटना के जिम्मेदार हो उन पर कार्रवाई हो। मंत्री आशीष सूद जवाब दें।

दास के अनुसार, इन समितियों में कौन-कौन लोग शामिल हैं, कितनी इमारतों का निरीक्षण किया गया और कितने मामलों में ध्वस्तीकरण या अन्य कार्रवाई हुई, इसकी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए।

दिल्ली के उप-राज्यपाल ने असुरक्षित इमारतों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर जोर दिया

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को एक पीजी बिल्डिंग गिरने से सात लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद, सोमवार को दिल्ली के उप-राज्यपाल टी.एस. संधू ने एक हाई-लेवल मीटिंग की अध्यक्षता की। उन्होंने असुरक्षित इमारतों के खिलाफ कार्रवाई के तरीकों और छात्रों के लिए रहने की जगह बढ़ाने पर समीक्षा की। उप-राज्यपाल ने शहरी विकास अधिकारियों को पीजी के लिए संस्थागत दिशानिर्देशों की समीक्षा करने वाली एक कमेटी का नेतृत्व करने का निर्देश भी दिया। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री आशीष सूद, मुख्य सचिव, डीजी एनडीआरएफ और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली भर में बिल्डिंग की सुरक्षा, छात्रों के रहने की व्यवस्था और पीजी नियमों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।' बता दें कि दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने के मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इमारत के मालिक परिवार के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

दिल्ली बिल्डिंग हादसाः मालिक समेत 3 लोग गिरफ्तार, मृतकों की संख्या बढ़कर 7 हुई

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली में गिरी सत्य निकेतन पीजी बिल्डिंग में 24 घंटे से ज्यादा समय तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन सोमवार शाम को खत्म हुआ। इस हादसे में मरने वालों की संख्या सात हो गई है और दिल्ली पुलिस ने बिल्डिंग की 75 साल की मालकिन उर्मिला और उनके परिवार के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार दोपहर करीब 1.30 बजे हुए इस हादसे के बाद रेस्क्यू टीमों ने मलबे से 12 लोगों को बाहर निकाला था, जिनमें से सात लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि मरने वालों के शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं। मरने वालों की पहचान इस प्रकार हैः उत्तर प्रदेश के सोनभद्र का रहने वाला अभिषेक (20), छत्तीसगढ़ के दुर्ग निवासी युवराज सोनी (20), उत्तर प्रदेश के औरैया निवासी पवन (17), मध्य प्रदेश के देवास निवासी अर्पित जहाज (19), मध्य प्रदेश के कटनी निवासी अक्षत सिंह यादव (18), सुरेंद्र सिंह (75), एक मजदूर थे। एक मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घायलों की पहचान असगर अली (30), नीरज बावा (19), आदित्य कुमार (19), नीतीश चिब (19) और मो. अयान (18) के तौर पर हुई है। अधिकारियों ने बताया कि पांचों का इलाज चल रहा है और उनमें से तीन की हालत गंभीर है।

सत्य निकेतन हादसे के बाद एक्शन मोड में दिल्ली सरकार, पीजी सुरक्षा नियमों की होगी समीक्षा

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। सत्य निकेतन इमारत हादसे में सात लोगों की मौत के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि राजधानी में भवनों की सुरक्षा जांच और सख्त की जाएगी। साथ ही पेइंग गेस्ट (पीजी) आवासों से जुड़े नियमों की समीक्षा कर सुरक्षा मानकों को मजबूत किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू की अध्यक्षता में आयोजित एक संयुक्त समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में दिल्ली में भवन सुरक्षा, छात्र आवास और पीजी नियमों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि बैठक में सुरक्षा मानकों की सख्त जांच, जिम्मेदारी तय करने और विभिन्न सरकारी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि शहरी विकास मंत्री आशीष सूद की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जाएगी, जो पीजी से जुड़े मौजूदा नियमों की समीक्षा करेगी। यह समिति विश्वविद्यालयों, नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के माध्यम से छात्रों के लिए आवास सुविधाएं बढ़ाने की संभावनाओं का भी अध्ययन करेगी। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार छात्रों के लिए डीडीए के खाली पड़े आवासों के उपयोग की संभावना पर भी विचार करेगी, ताकि सुरक्षित और किफायती आवास उपलब्ध कराए जा सकें। बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय यह भी लिया गया कि राजधानी के मौजूदा पीजी भवनों का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया जाएगा, जिससे उनकी सुरक्षा और संरचनात्मक मजबूती का आकलन किया जा सके। सत्य निकेतन हादसे के बाद दिल्ली में छात्र आवासों की स्थिति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच यह कदम उठाया गया है।

'जो मन होगा वो खाएंगे', धीरेंद्र शास्त्री के नव दुर्गा के दौरान नॉनवेज न खाने वाले बयान पर बंगाल बीजेपी चीफ का पलटवार

थिंक राजस्थान

कोलकाता। पं. बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की उस अपील को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने कहा था बंगालियों को दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहारी भोजन नहीं करना चाहिए। समिक ने कहा कि बंगाल के बाहर कोई भी शख्स ये तय नहीं कर सकता है यहां के लोग क्या खाएं और क्या नहीं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा था कि धार्मिक होने का दावा करने वाले लोग दुर्गा पंडाल के पीछे बैठकर नॉनवेज खाते हैं। ऐसा करने वालों को धार्मिक नहीं बल्कि पाखंडी कहते हैं। बागेश्वर बाबा ने इसी के साथ बंगालियों से दुर्गा उत्सव के दौरान नॉनवेज न खाने की अपील की थी। धीरेंद्र शास्त्री के इसी बयान पर समिक भट्टाचार्य ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 'मुझे अपने तरीके से जीने दें। बंगाली वही खाएंगे जो वे खाते आए हैं। क्या बंगाली मछली और मांस नहीं खा सकते? स्वामी विवेकानंद ने ऐसा कहा है। उनसे बड़ा कौन है?'' उन्होंने आगे कहा, 'यहां मां काली को बकरे की बलि दी जाती है।' दुर्गा अष्टमी पर लुची यानि पुरी और नवमी पर बकरे का मांस खाना बंगाल की पुरानी बताते हुए बीजेपी चीफ ने कहा, 'हम आम तौर पर अष्टमी पर 'लुची' और नवमी पर बकरे का मांस खाते हैं। हम ऐसा करना जारी रखेंगे। कोई भी पश्चिम बंगाल के लोगों को यह नहीं कह सकता कि उन्हें क्या खाना चाहिए।' समिक भट्टाचार्य ने स्पष्ट किया कि वो धीरेंद्र शास्त्री का सम्मान करते हैं लेकिन उनकी राय को बंगाली समाज पर नहीं थोपा जा सकता। उन्होंने साफ कहा कि कोई संत या डॉक्टर लोगों को नॉनवेज खाने की सलाह दे सकते हैं, लेकिन कोई बाहरी यह तय नहीं कर सकता कि बंगालियों का खानपान क्या होगा और वह क्या पहनेंगे? समिक भट्टाचार्य के बयान के बाद यह मुद्दा धार्मिक आस्था के साथ-साथ बंगाल की सांस्कृतिक और खानपान परंपराओं से भी जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की अपनी विशिष्ट धार्मिक और सामाजिक परंपराएं हैं, जिनमें अलग-अलग समुदाय और परिवार अपनी मान्यताओं के अनुसार त्योहार मनाते हैं। ऐसे में किसी एक खानपान की परंपरा को पूरे समाज पर लागू करना उचित नहीं है। उन्होंने दुर्गा पूजा के दौरान मछली और मांस के सेवन को बंगाल की पुरानी परंपराओं से जोड़ते हुए कहा कि त्योहार मनाने के तरीकों में भी क्षेत्रीय विविधता दिखाई देती है। उनके मुताबिक, किसी व्यक्ति की धार्मिक आस्था का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि वह शाकाहारी भोजन करता है या मांसाहारी। उनके समर्थक इसे धार्मिक अनुशासन और पूजा-पद्धति से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि विरोध करने वालों का कहना है कि खानपान व्यक्तिगत और सांस्कृतिक पसंद का विषय है। फिलहाल दोनों बयानों के बीच मुख्य मतभेद धार्मिक आयोजन के दौरान खानपान को लेकर है।

6 अक्टूबर को 1 लोकसभा और 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को कहा कि चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों और असम की एक संसदीय सीट के लिए उपचुनाव 6 अक्टूबर को होंगे और नतीजे 9 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। ईसीआई के एक बयान में कहा गया है कि असम की नगांव संसदीय सीट प्रद्युत बोरदोलोई के इस्तीफे के कारण खाली हो गई थी। पश्चिम बंगाल में, मौजूदा मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के इस्तीफे के कारण नंदीग्राम विधानसभा सीट पर और आम जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर के इस्तीफे के बाद खाली हुई रेजीनगर सीट पर उपचुनाव होंगे। तमिलनाडु में, मदुरंतकम और धारापुरम में विधानसभा उपचुनाव होंगे। पुडुचेरी के थट्टनचावडी निर्वाचन क्षेत्र में भी उपचुनाव होंगे। ईसीआई द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, उपचुनावों के लिए गजट अधिसूचना 9 सितंबर को जारी की जाएगी।

मलबे में दबने से बुजुर्ग महिला की मौत, 5 घायल, सीएम भजनलाल शर्मा पहुंचे अस्पताल

थिंक राजस्थान

भरतपुर। जिले के सेवर कस्बा स्थित सिकलीगर मोहल्ले में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा पेश आया, जहां एक मकान की कच्ची दीवार और छज्जा अचानक ढह गया। दीवार का भारी मलबा पास के मकान की छत पर जा गिरा, जिसके नीचे दबने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ (SDRF) की टीमों ने तत्परता दिखाते हुए राहत और बचाव कार्य शुरू किया। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आरबीएम अस्पताल पहुंचे और घायलों का कुशलक्षेम जाना।

घटनास्थल : सेवर थाना क्षेत्र के सिकलीगर मोहल्ले में एक निजी परिसर की कच्ची दीवार के ऊपर बना छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया।

छत पर गिरा मलबा : भरभराकर गिरी दीवार का मलबा सीधे दूसरे मकान की छत पर गिरा, जहां मौजूद लोग मलबे में दब गए।

रेस्क्यू ऑपरेशन : स्थानीय नागरिकों के शोर मचाने पर पुलिस, एसडीआरएफ और नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) की टीमें मौके पर पहुंचीं और मलबे को हटाकर सभी दबे लोगों को बाहर निकाला गया। मलबे से निकाले गए सभी घायलों को तुरंत भरतपुर के आरबीएम (RBM) अस्पताल पहुंचाया गयाः

बुजुर्ग महिला की मौतः अस्पताल में उपचार के दौरान अत्यधिक चोटों के कारण एक बुजुर्ग महिला ने दम तोड़ दिया।

निगरानी में घायलः एडीएम सिटी राहुल सैनी के अनुसार, शेष पांच घायलों का उपचार जारी है। चिकित्सकों की विशेष टीम उनकी देखरेख कर रही है और सभी घायलों की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर (स्टेबल) है।

हादसे की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सीधे अस्पताल पहुंचेः

उपचार के निर्देश : मुख्यमंत्री ने वार्डों में जाकर भर्ती घायलों से मुलाकात की और उनका ढांढस बंधाया।

अधिकारियों को हिदायत : सीएम ने डॉक्टरों और प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि घायलों के उपचार में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए और सभी को उत्कृष्ट व निःशुल्क चिकित्सा सहायता तत्काल मुहैया कराई जाए।

आरबीआई ने रिवर्स रेपो नीलामी के माध्यम से जुटाई 3.53 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि

थिंक राजस्थान

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में मौजूद अतिरिक्त नकदी को नियंत्रित करने के लिए सोमवार को एक दिन की अवधि वाली ओवरनाइट वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के माध्यम से 3.53 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि जुटाई है। यह कदम वित्तीय प्रणाली में बढ़ी हुई तरलता को संतुलित रखने और मौद्रिक स्थिरता बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। आरबीआई के एक बयान के अनुसार, इस रिवर्स रेपो नीलामी के लिए 5 लाख करोड़ रुपए की राशि अधिसूचित की गई थी, जिसके मुकाबले बैंकों और वित्तीय संस्थानों से 3,53,390 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं। केंद्रीय बैंक ने प्राप्त पूरी राशि को स्वीकार कर लिया, जो अधिसूचित राशि का लगभग 70 प्रतिशत से अधिक है।

भारत-लक्जमबर्ग के बीच अंतरिक्ष, एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। भारत और लक्जमबर्ग ने अंतरिक्ष, उभरती प्रौद्योगिकियों और जीवन विज्ञान के क्षेत्रों में सहयोग को नई ऊंचाई देने की दिशा में महत्वपूर्ण चर्चा की है। सोमवार को लक्जमबर्ग के अर्थव्यवस्था, लघु एवं मध्यम उद्यम, ऊर्जा और पर्यटन मंत्री लेक्स डेल्स ने केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने का प्रस्ताव रखा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने एक ऐसे सहयोगी तंत्र पर विचार किया जो अंतरिक्ष क्षेत्र, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम प्रौद्योगिकी, उन्नत सामग्री विज्ञान और जीवन विज्ञान जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को आगे बढ़ा सके। यह तंत्र जनवरी 2027 में प्रस्तावित लक्जमबर्ग के भारत दौरे से पहले दोनों देशों की ओर से ठोस सुझाव और सहयोगी परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करने में भी मदद करेगा। बैठक के दौरान भारत-लक्जमबर्ग अंतरिक्ष सहयोग की मौजूदा स्थिति, संस्थागत और व्यावसायिक साझेदारी की संभावनाओं तथा प्रस्तावित राजकीय यात्रा की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

संपादकीय

क्षेत्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में आदर्श विद्या मंदिर चूरू बना चैंपियन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। आदर्श विद्या मंदिर संगठन की ओर से आयोजित क्षेत्रीय स्तर की बैडमिंटन प्रतियोगिता में आदर्श विद्या मंदिर चूरू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में चूरू की टीम ने आदर्श विद्या मंदिर जयपुर को हराकर क्षेत्रीय चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। विजेता टीम में अशोक, गौरव शर्मा, भव्या सैनी, फिरोज (बीदासर) और गौरव सैनी शामिल रहे। खास बात यह रही कि विजेता टीम के सभी खिलाड़ी शटल स्टार्स बैडमिंटन अकादमी चूरू से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। टीम की सफलता पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों में खुशी की लहर है।

खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। प्रतियोगिता में चूरू की टीम ने शुरुआत से ही बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। खिलाड़ियों ने मुकाबलों के दौरान शानदार तालमेल, आक्रामक खेल और बेहतर रणनीति का परिचय दिया। फाइनल में भी टीम ने दबाव के बीच संयम बनाए रखते हुए जयपुर की टीम को मात दी। खिताबी जीत के बाद आदर्श विद्या मंदिर चूरू के खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल रहा। टीम की सफलता में खिलाड़ियों की नियमित मेहनत और प्रशिक्षण का अहम योगदान रहा। शटल स्टार्स बैडमिंटन अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाले इन खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में अपने खेल कौशल का प्रभावी प्रदर्शन किया।

राजस्थान में मुख्यमंत्री भी कार्यकर्ता की तरह कर रहे काम

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव रोहन गुप्ता ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा में मुख्यमंत्री से लेकर सामान्य कार्यकर्ता तक सभी को जनता के बीच जाकर काम करना होता है। भाजपा की कार्यसंस्कृति में मुख्यमंत्री को किसी राजा की तरह विशेष सुविधा नहीं मिलती बल्कि वे भी पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में जनता के बीच जाते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव रोहन गुप्ता ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "कांग्रेस और भाजपा में यही फर्क है। भाजपा में हमारे मुख्यमंत्री भी पार्टी के कार्यकर्ता ही होते हैं। मुख्यमंत्री के साथ किसी राजा जैसा बर्ताव नहीं किया जाता।" उन्होंने कहा कि चुनाव या जनता से जुड़े मुद्दों के समय मुख्यमंत्री और पार्टी के आम कार्यकर्ता दोनों को लोगों के बीच जाकर उनका सम्मान करना चाहिए, उनकी समस्याओं और उम्मीदों को समझना चाहिए तथा समाधान के लिए प्रयास करना चाहिए।

रतन सिंह राठौड़ और दादोसा मोती सिंह राठौड़ के सान्निध्य में हुआ भव्य आयोजन, पूरे गांव के लिए स्वागत-सत्कार एवं सामूहिक भोजन की व्यवस्था, पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मनाया जन्माष्टमी महोत्सव

एजेंसी, थिंक राजस्थान

तूरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर तूरा गांव में आस्था, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। गांव की गलियां भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों और भक्ति गीतों से गूंज उठीं। राजस्थान राजपूत समाज, मुंबई-महाराष्ट्र के चेयरमैन श्री रतन सिंह राठौड़ तूरा और दादोसा श्री मोती सिंह राठौड़ तूरा के सान्निध्य में आयोजित इस भव्य जन्माष्टमी महोत्सव में पूरा गांव एक परिवार की तरह सहभागी बना। महोत्सव के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण कन्हैया की प्रतिमा को पूरी श्रद्धा और विधि-विधान के साथ राठौड़ परिवार के घर लाया गया। कान्हा के आगमन को लेकर परिवार के सदस्यों के साथ ही ग्रामवासियों में भी विशेष उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर परिवार, गांव और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। जन्माष्टमी के इस आयोजन ने पूरे तूरा गांव को कृष्णभक्ति के रंग में रंग दिया। बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग पारंपरिक परिधानों में कार्यक्रम में पहुंचे। चारों ओर कान्हा के जयकारे सुनाई देते रहे। ग्रामीणों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को आपसी प्रेम, सामाजिक सौहार्द और सामूहिक सहभागिता के साथ मनाया। आयोजकों के अनुसार, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में तूरा गांव और आसपास के क्षेत्रों से पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति के बावजूद सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहीं। राठौड़ परिवार की ओर से कार्यक्रम में पहुंचे समस्त ग्रामवासियों, अतिथियों और श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत एवं सत्कार किया गया। सभी के लिए बड़े स्तर पर सामूहिक भोजन की व्यवस्था भी की गई। परिवार के सदस्यों और ग्रामीण कार्यकर्ताओं ने अतिथियों के स्वागत से लेकर भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं तक की जिम्मेदारी संभाली। राजस्थान राजपूत समाज, मुंबई-महाराष्ट्र के चेयरमैन श्री रतन सिंह राठौड़ तूरा ने कहा, "भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, कर्तव्य, प्रेम, सत्य और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। जन्माष्टमी का यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि पूरे गांव को प्रेम और भाईचारे के सूत्र में जोड़ने का माध्यम भी है।" उन्होंने कहा, "भगवान श्रीकृष्ण की कृपा और समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से जन्माष्टमी महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पांच हजार से अधिक लोगों की उपस्थिति हमारे गांव की एकता और धार्मिक आस्था को दर्शाती है। राठौड़ परिवार की ओर से सभी ग्रामवासियों और श्रद्धालुओं के स्वागत-सत्कार तथा भोजन की व्यवस्था की गई। आयोजन को सफल बनाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के हम हृदय से आभारी हैं।" रतन सिंह राठौड़ ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ते हैं। उन्होंने युवाओं से भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोग और कर्तव्यनिष्ठा के संदेश को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। जन्माष्टमी महोत्सव धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक एकता और सामूहिक सहयोग का उदाहरण भी बना। ग्रामीणों ने अलग-अलग व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली। किसी ने श्रद्धालुओं के स्वागत में सहयोग किया तो किसी ने भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं में अपनी सेवाएं दीं। पूरे गांव की सहभागिता के कारण यह आयोजन एक विशाल पारिवारिक उत्सव जैसा दिखाई दिया। कार्यक्रम में दादोसा श्री मोती सिंह राठौड़ तूरा, श्री रतन सिंह राठौड़, संजू कंवर, रूप कंवर, अजयपाल सिंह राठौड़, राजू कंवर, भगवत सिंह राठौड़, मंगल सिंह राठौड़, विक्रम सिंह राठौड़, चंदा कंवर, वंदना कंवर और पंचम कंवर सहित परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। भक्ति, उल्लास और सामाजिक समरसता से परिपूर्ण वातावरण में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव शुभ एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर पशु मेला 17 नवंबर से होगा शुरू, अश्व मेले पर रहेगा विशेष फोकस

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अजमेर। अंतरराष्ट्रीय पुष्कर पशु मेला 17 नवंबर से शुरू होगा। हालांकि, दीपावली के अगले दिन से ही पशुओं के साथ पशुपालकों का पुष्कर पहुंचना शुरू हो जाता है। बदलते स्वरूप के बीच पुष्कर मेला अब ऊंटों के साथ-साथ अश्व मेले के रूप में भी पहचान बना रहा है। इस बार पशुपालन विभाग अश्व पालन और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई नए प्रयोग करने की तैयारी में है। मेले में अश्व पालकों के लिए विशेष एंड्योरेंस राइड और हॉर्स रिवाल राइड प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विभाग ने मेले की तैयारियां शुरू कर दी हैं। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और पशुपालकों को इस बार कई नए आयोजन और व्यवस्थाएं देखने को मिलेंगी। पुष्कर के मिट्टी के दड़ो में सतरंगी राजस्थानी लोक संस्कृति, पारंपरिक परिधान, सजे हुए पशु और खासकर ऊंट-घोड़े विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहते हैं। हालांकि, मेले में ऊंटों की संख्या में लगातार कमी आ रही है, जबकि अश्वों की संख्या बढ़ रही है। छोटे-बड़े पशुपालकों के साथ देशभर से शौकीन और बड़े अश्व पालक भी महंगे घोड़ों को लेकर पुष्कर पहुंचते हैं। ऊंट पालक जहां खुले आसमान के नीचे मिट्टी के दड़ो में रहते हैं, वहीं अश्व पालक शामियानों में ठहरते हैं। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और प्लॉट आवंटन को लेकर होने वाले विवादों से बचने के लिए इस बार ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से स्थायी रूप से प्लॉट आवंटित किए जाएंगे। 50x50 और 50x100 गज के प्लॉट अश्व पालकों को ऑनलाइन लॉटरी से दिए जाएंगे। प्लॉट आवंटन के लिए निर्धारित राशि लिए जाने की भी संभावना है। एंड्योरेंस राइड के जरिए घोड़ों की क्षमता और सहनशक्ति को परखा जाएगा, जबकि हॉर्स रिवाल राइड के माध्यम से अश्व कौशल और पारंपरिक प्रदर्शन को भी मंच मिलेगा। इन आयोजनों से देशभर के अश्व पालकों की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है।

एएनटीएफ ने बाड़मेर में जमीन के नीचे छिपी अफीम की बड़ी खेप बरामद

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बाड़मेर। 'नशा मुक्त राजस्थान-2029' के संकल्प को साकार करने के लिए मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ एएनटीएफ का अभियान लगातार तेज हो रहा है। बाड़मेर में एएनटीएफ ने दो दिन के भीतर लगातार दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए जमीन में गड्ढा खोदकर बैर के पेड़ के नीचे छिपाकर रखी गई 7.186 किलोग्राम अफीम का दूध और 1.016 किलोग्राम विनिर्मित अफीम बरामद की है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 85 लाख रुपये बताई गई है। कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। महानिरीक्षक पुलिस एएनटीएफ विकास कुमार ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के मार्गदर्शन और निर्देशन में मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

बूंदी में एथेनॉल फैक्ट्री के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन, कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बूंदी। तालेड़ा उपखंड क्षेत्र के लाडपुर में संचालित एथेनॉल फैक्ट्री के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंच गया। प्रदूषण, भूजल दोहन, सड़क क्षतिग्रस्त होने, भारी वाहनों की आवाजाही और जन-सुविधाओं को नुकसान का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने पूर्व सांसद एवं पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष रामनारायण मीणा की अगुवाई में प्रदर्शन किया और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि 15 दिन में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्री के संचालन से लाडपुर, सुवांसा, बाजड़, बटून्दा समेत आसपास के 8-10 गांव प्रभावित हो रहे हैं। फैक्ट्री से निकलने वाले दुर्गंधयुक्त अपशिष्ट जल से भूजल प्रदूषित होने और खेतों की उपजाऊ क्षमता प्रभावित होने का खतरा है। वहीं धूल और वायु प्रदूषण से स्वास्थ्य पर असर पड़ने की आशंका जताई गई है। ग्रामीणों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर बड़े पैमाने पर भूजल दोहन का भी आरोप लगाया। पूर्व सांसद रामनारायण मीणा ने कहा कि ग्रामीण पिछले 19 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग का कोई जिम्मेदार अधिकारी उनकी समस्या सुनने मौके पर नहीं पहुंचा। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय प्रदूषण बोर्ड के अधिकारी फैक्ट्री प्रबंधन से मिले हुए हैं। मीणा ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए जिले के बाहर के प्रदूषण बोर्ड अधिकारियों और प्रशासन की विशेष टीम गठित करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों की अनदेखी हुई तो बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों के मुताबिक फैक्ट्री में आने-जाने वाले भारी और ओवरलोड ट्रकों से सुवांसा-लाडपुर मुख्य सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। पर्याप्त पार्किंग नहीं होने से ट्रक सड़क पर खड़े रहते हैं, जिससे जाम की स्थिति बनती है और स्कूल बसों को भी परेशानी होती है। दिन-रात भारी वाहनों की आवाजाही और शोर से ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों ने फैक्ट्री के संचालन से प्रभावित क्षेत्रों में पानी, मिट्टी और वायु की गुणवत्ता की भी जांच कराने की मांग रखी।

शेखावाटी की कला विरासत को समर्पित राष्ट्रीय सेमीनार का पोस्टर विमोचन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। जाट बोर्डिंग हाउस संस्थान, सीकर में आगामी 26, 27 व 28 सितंबर को आयोजित होने वाली तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार के पोस्टर का विमोचन आज पूर्व आई जी राजस्थान पुलिस महेन्द्र सिंह के करकमलों द्वारा किया गया। यह आयोजन इतिहास, अभिलेख विज्ञान, पुरातत्व एवं शेखावाटी की विख्यात फेस्को पेंटिंग पर केंद्रित होगा। पोस्टर विमोचन समारोह संस्थान के कार्यकारिणी सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों की सानिध्य में संपन्न हुआ। ज्ञातव्य है कि यह राष्ट्रीय सेमीनार बीकानेर की आर्कियोलोजी एवं एपीग्राफी कांग्रेस तथा त्रिलोक सिंह रिसर्च एंड डेवलपमेंट संस्थान, सीकर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। पोस्टर विमोचन से पूर्व संस्थान अध्यक्ष गणेश बेरवाल, प्रो. शिवनाथ सिंह, पूर्व आई जी महेन्द्र सिंह, बलबीर सिंह, केशर देव नेहरा एवं सूरजभान अधिवक्ता ने पत्रकारों से वार्ता की। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान सेमीनार की रूपरेखा, सत्रों की विषय-वस्तु एवं शेखावाटी की कला विरासत को संरक्षित करने की दिशा में उठाए जाने वाले कदमों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। यह आयोजन कला और इतिहास के शोधार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा, जहां फेस्को पेंटिंग जैसी लोक कला की वैज्ञानिक समीक्षा होगी। आयोजकों ने बताया कि सेमीनार के दौरान इतिहास, अभिलेख विज्ञान और पुरातत्व से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों और शोधार्थियों के बीच विचार-विमर्श होगा। शेखावाटी की हवेलियों पर बनी फ्रेस्को पेंटिंग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, कलात्मक विशेषताओं और संरक्षण की जरूरतों पर भी विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

सुगम रेल संचालन हेतु रतनगढ़ -बीकानेर रेल खंड पर स्थित RUB संख्या 11 C (बिग्गा – जैसलमेर मार्ग) पर होगा अनुरक्षण कार्य, वाहनों के आवागमन हेतु रहेगा पूर्णतया बंद

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर रेल मंडल के रतनगढ़ - बीकानेर खंड पर किमी 377/1-2 पर स्थित RUB संख्या 11 C अनुरक्षण कार्य एवं ड्रेनेज सुधार कार्य हेतु दिनांक 12.09.26 से 28 दिनों के लिए वाहनों एवं आमजन के आवागमन हेतु पूर्णतया बंद रहेगा। उक्त अवधि में वाहनों के आवागमन हेतु वाहन चालक वैकल्पिक मार्ग RUB संख्या 11BB किमी 374 /8-9 का प्रयोग करें और किमी 383/2-3 पर स्थित RUB संख्या 11D का प्रयोग करें। आमजन से अनुरोध है कि उक्त अवधि के दौरान आवागमन हेतु वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। साथ ही रेलवे व प्रशासन द्वारा लगाए गए संकेतकों एवं निर्देशों का पालन करें। रेलवे के अनुसार, RUB संख्या 11 C पर अनुरक्षण एवं ड्रेनेज सुधार कार्य निर्धारित समय में पूरा करने के लिए मार्ग को पूरी तरह बंद किया जा रहा है। इस दौरान संबंधित स्थान से वाहनों और आमजन की आवाजाही संभव नहीं होगी। कार्य के चलते क्षेत्र में आवागमन करने वाले लोगों को पहले से अपनी यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी गई है। रेल प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि बंद अवधि में RUB संख्या 11BB और RUB संख्या 11D से होकर गुजरने वाले वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। इससे मुख्य मार्ग पर बंद के कारण होने वाली असुविधा को कम किया जा सकेगा और यातायात व्यवस्था भी सुचारु बनाए रखने में मदद मिलेगी। रेलवे और स्थानीय प्रशासन की ओर से मार्ग परिवर्तन से संबंधित आवश्यक संकेतक लगाए जाएंगे। वाहन चालकों और आमजन से अपील की गई है कि वे लगाए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें और बंद किए गए मार्ग से जाने का प्रयास न करें। अनुरक्षण कार्य पूरा होने के बाद RUB संख्या 11 C को दोबारा आमजन और वाहनों के आवागमन के लिए खोलने की प्रक्रिया की जाएगी। रेलवे ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि निर्माण और सुधार कार्य के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करना सभी के हित में है। ड्रेनेज सुधार कार्य पूरा होने के बाद बारिश के पानी की निकासी व्यवस्था बेहतर होने से आसपास के आवागमन को भी सुविधा मिलने की उम्मीद है। वहीं, अनुरक्षण कार्य से RUB की संरचना और संचालन संबंधी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने में मदद मिलेगी। 12 सितंबर 2026 से शुरू होने वाले 28 दिनों के बंद के दौरान किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए लोग वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और रेलवे व प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

राजस्थान/ प्रादेशिक

भवानीमंडी में युवक पर जानलेवा हमले का खुलासा, सुपारी देने वाला मास्टरमाइंड सहित पांच गिरफ्तार

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। भवानीमंडी कस्बे में रात के समय मुंह बांधकर युवक पर लाठी-डंडों और सरियों से जानलेवा हमला करने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। भवानीमंडी थाना पुलिस ने सुपारी देकर हमला करवाने वाले कथित मास्टरमाइंड एनडीपीएस तस्कर इमरान और थाना भवानीमंडी के हिस्ट्रीशीटर रेहान उर्फ सुक्खा सहित कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हमला आपसी रंजिश के चलते करवाया गया था। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि वांछित एवं आपराधिक गतिविधियों में शामिल आरोपियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में भवानीमंडी में हुई जानलेवा हमले की गंभीर घटना के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा के निर्देशन तथा वृत्ताधिकारी भवानीमंडी सत्यनारायण गोदारा के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। घटना के बारे में 28 अगस्त को अजहरुद्दीन पुत्र शहीदउद्दीन निवासी भवानीमंडी ने थाना पहुंचकर रिपोर्ट दी थी। उसने बताया कि वह अपने जीजाजी कलीम भाई और इस्लाम चौधरी के साथ शंकर चाय की दुकान पर चाय पी रहा था। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार तीन-चार अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे और उसके साथ लोहे के पाइप व सरियों से मारपीट कर दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। टीम ने घटनास्थल के आसपास से तकनीकी साक्ष्य जुटाए, वारदात के दौरान आरोपियों के आने-जाने वाले रास्तों का रूट मैप तैयार किया तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। पुलिस के अनुसार तकनीकी साक्ष्यों, आसूचना संकलन और मनोवैज्ञानिक तरीके से किए गए अनुसंधान के आधार पर हमले के पीछे सुपारी दिए जाने का खुलासा हुआ। आपसी रंजिश के चलते इमरान खान ने हिस्ट्रीशीटर रेहान उर्फ सुक्खा को सुपारी देकर अजहरुद्दीन पर जानलेवा हमला करवाया। पुलिस ने मामले में इमरान खान पुत्र चांद खां (36), रेहान उर्फ सुक्खा पुत्र अनवर खान (21), चेतन पुत्र पिरूलाल मेघवाल (20), सुनील पुत्र सुल्तान मेघवाल (19) और सलमान उर्फ कंटी पुत्र शकील खान (20) निवासी भवानी मंडी को गिरफ्तार किया है।

कलेक्ट्रेट में मानव श्रृंखला बनाकर मतदान का संकल्प

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत स्वीप कार्यक्रम में सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। विद्यार्थियों, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट एवं गाइड के सदस्यों ने मानव श्रृंखला बनाकर मतदान का संदेश दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत जैन एवं स्वीप प्रभारी शैलजा पांडे के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में नए वोटर विद्यार्थी श्रुति ने मतदान की शपथ दिलाई। जनसंपर्क अधिकारी सुरेश बिश्नोई ने मतदान के अधिकार के इतिहास और महत्व की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से स्वयं मतदान करने तथा दूसरों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया। सीडीईओ अरुण कुमार शर्मा ने इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) की गतिविधियों की जानकारी दी। स्वीप समन्वयक प्रशांत जोशी ने बताया कि 25 अगस्त से 7 सितंबर तक 11 मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, स्वीप टीम के सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

मुख्य सचिव से एडीबी कंट्री डायरेक्टर मियो ओका की शिष्टाचार भेंट

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से सोमवार को एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) की कंट्री डायरेक्टर (इंडिया) मियो ओका ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राजस्थान में एडीबी के सहयोग से संचालित एवं प्रस्तावित विभिन्न परियोजनाओं, आगामी पांच वर्षों में राज्य के साथ साझेदारी को और मजबूत करने तथा नए क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान एडीबी द्वारा वित्त-पोषित जयपुर मेट्रो परियोजना के लिए , राजस्थान अर्बन लाइवेबिलिटी इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट (RULIP) तथा PRITHWI परियोजना के लिए सहयोग प्रदान करने की प्रतिबद्धता की व्यक्त की गई। एडीबी कंट्री डायरेक्टर ने राजस्थान के साथ आगामी पांच वर्षों में दीर्घकालीन एवं व्यापक साझेदारी के तहत राज्य में लगभग 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की परियोजनाओं को सहयोग प्रदान करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

साक्षरता से सशक्त होता है समाज और विकसित होता है राष्ट्र

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता नहीं, बल्कि व्यक्ति को ज्ञान, आत्मनिर्भरता, जागरूकता और सामाजिक सहभागिता से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। देवनानी ने कहा कि एक शिक्षित और जागरूक नागरिक ही सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र की आधारशिला होता है। साक्षरता व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करने के साथ ही उसे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग बनाती है तथा समाज की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सक्षम करती है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा ने सदैव शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया है। ज्ञान व्यक्ति के जीवन को दिशा देने के साथ-साथ समाज में विवेक, समानता, आत्मविश्वास और सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा और ज्ञान की पहुंच सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि आज के तकनीकी और ज्ञान आधारित युग में साक्षरता का स्वरूप और अधिक व्यापक हो गया है।

नसबंदी फेल होने पर स्थाई लोक अदालत का बड़ा फैसला

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। नसबंदी ऑपरेशन के बाद भी गर्भधारण होने और संतान को जन्म देने के मामले में दौसा की स्थाई लोक अदालत ने सख्त रुख अपनाया है।

अदालत ने निजी अस्पताल और चिकित्सक की लापरवाही को जिम्मेदार मानते हुए पीड़िता को शारीरिक व मानसिक क्षतिपूर्ति के रूप में कुल 80 हजार रुपये अदा करने के आदेश दिए हैं।

अदालत ने अपने फैसले में यह स्पष्ट और महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि गर्भधारण की जानकारी मिलने के बाद किसी भी महिला को गर्भपात (अबॉर्शन) के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान अस्पताल प्रबंधन ने अपना बचाव करते हुए तर्क दिया कि नसबंदी ऑपरेशन के शत-प्रतिशत सफल होने की गारंटी नहीं होती और फेल होने की स्थिति में चिकित्सक या अस्पताल को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। प्रबंधन ने यह भी दलील दी कि गर्भधारण का पता चलने पर महिला गर्भपात करवा सकती थी, जो उसने नहीं करवाया।

चिकित्सा संस्थानों में ओटी को मॉड्यूलर ओटी के रूप में विकसित करें : वी. श्रीनिवास

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश में तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने के लिए सभी संबंधित चिकित्सा संस्थानों में ऑपरेशन थियेटरों को चरणबद्ध रूप से मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध करवाने के लिए चिकित्सा संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग और आवश्यक सुविधाओं की क्रियाशीलता सुनिश्चित करना जरूरी है। मुख्य सचिव सोमवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, आरजीएचएस सहित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित अन्य चिकित्सा संस्थानों में स्थापित नवजात शिशु देखभाल इकाइयों की शत-प्रतिशत क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को इन इकाइयों की नियमित मॉनिटरिंग कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने अस्पताल अधीक्षकों को उपलब्ध सेवाओं के अनुरूप बेड ऑक्यूपेंसी रेट की नियमित समीक्षा करने के लिए भी कहा।

शुद्ध आहार–मिलावट पर वार अभियान : 5,333 किलो से अधिक खाद्य सामग्री पर कार्रवाई

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार–मिलावट पर वार' अभियान के तहत जन्माष्टमी पर्व को देखते हुए 1 से 5 सितम्बर 2026 तक पांच दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रदेशवासियों को शुद्ध, सुरक्षित और अच्छी गुणवत्ता की खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए दूध, मावा, पनीर, घी, मिठाई, मसाले और अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों एवं प्रतिष्ठानों की जांच की गई। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन तथा अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह की निगरानी में यह अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने प्रदेशभर में 399 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया और 802 नमूने लिए। इनमें 390 प्रवर्तन नमूने और 412 सर्विलांस नमूने शामिल हैं। मावा, मिठाई, घी-तेल, दूध और मसालों के नमूने जांच के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं को भेजे गए हैं।

अभियान के दौरान मौके पर खराब, दूषित और अमानक पाई गई 3,463.50 किलोग्राम/लीटर खाद्य सामग्री नष्ट करवाई गई। इसमें 1,215 किलोग्राम मिठाई, 1,151 किलोग्राम अन्य खाद्य सामग्री, 875 किलोग्राम मावा व पनीर, 104.50 किलोग्राम घी, 73 किलोग्राम मसाले और 45 किलोग्राम/लीटर अमानक दूध शामिल है। इसके अलावा भारी मिलावट की आशंका वाली 1,870 किलोग्राम/लीटर खाद्य सामग्री जब्त कर सील की गई। इसमें 1,449 किलोग्राम संदिग्ध घी और 421 किलोग्राम अन्य खाद्य सामग्री शामिल है। इस तरह अभियान में कुल 5,333.50 किलोग्राम/लीटर खाद्य सामग्री के खिलाफ कार्रवाई की गई। विभाग के अनुसार जब्त खाद्य सामग्री की जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग की टीमें त्योहारी सीजन में भी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की लगातार जांच करती रहेंगी, ताकि आमजन को सुरक्षित और अच्छी गुणवत्ता की खाद्य सामग्री मिल सके।

आबकारी आयुक्त के निर्देशन में अवैध मदिरा पर कार्रवाई, वॉश एवं भट्टियां नष्ट

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में निकाय चुनाव आदर्श आचार संहिता के तहत अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी निरोधात्मक गतिविधियों के तहत नाकाबंदी, गश्त, दबिश की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। जयपुर में आचार संहिता की पालना के तहत नाकाबंदी में जीप कम्पास की तलाशी लेने पर एक कार्टन में 12 बोतल ब्लेक लेबल, 3 बोतल ऐब्सोल्यूट वोदका फोर सेल इन हरियाणा बरामद करते हुए अभियुक्त धीरज चैधरी एवं अनिल जैन को गिरफ्तार किया।

राइजिंग राजस्थान के तहत 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए ग्राउंड

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री की मंशानुरूप आगामी 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस तक अधिकाधिक एमओयू ग्राउंड ब्रेकिंग के लक्ष्य की दिशा में प्रभावी एवं समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव सोमवार को शासन सचिवालय में आयोजित राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हुए एमओयू की प्रगति एवं उनके क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी लेते हुए इनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निवेश परियोजनाओं से संबंधित आवश्यक प्रस्ताव एवं फाइलें शीघ्र प्रस्तुत की जाएं। साथ ही, संबंधित जिला कलक्टरों के साथ सतत समन्वय स्थापित कर परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से ऊर्जा एवं राजस्व विभाग से अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव ने भूमि संबंधी प्रकरणों के त्वरित निस्तारण को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि की पहचान एवं आवंटन से जुड़े मामलों का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब न हो और परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग शिखर अग्रवाल ने विभागवार प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव विभिन्न चरणों में हैं। इनमें 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। वहीं, जिन प्रकरणों में स्वीकृति संभव नहीं है, उनमें भी तत्काल निर्णय लेकर उन्हें लंबित न रखा जाए।

नगर निगम जयपुर की कार्रवाई, 20 हजार रुपये कैरिंग चार्ज वसूला, 1 केन्टर सामान जब्त

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में सांगानेर श्याम विहार, चोखी ढाणी बीलवा, बालाजी विहार, मांग्यावास मानसरोवर एवं थड़ी मार्केट से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 20 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 1 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में सांगानेर श्याम विहार, चोखी ढाणी बीलवा, बालाजी विहार, मांग्यावास मानसरोवर एवं थड़ी मार्केट से अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 1 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 20 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी। नगर निगम की सतर्कता शाखा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर अस्थाई रूप से लगाए गए सामान और अन्य अवरोधों को हटाया गया। अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक रास्तों पर लोगों की आवाजाही को सुचारु बनाए रखना और अतिक्रमण के कारण होने वाली असुविधा को कम करना रहा। सतर्कता टीम ने संबंधित स्थानों का निरीक्षण करते हुए अतिक्रमण करने वालों को भविष्य में नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। टीम ने मौके पर समझाइश करते हुए स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर दोबारा अस्थाई अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

1500 से भी अधिक स्वच्छता योद्धाओं ने 500 टन कचरे का निस्तारण कर शहर को बनाया स्वच्छ

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मानसून के बाद जयपुर शहर को स्वच्छ, सुन्दर एवं स्वस्थ बनाने के संकल्प के साथ नगर निगम जयपुर का विशेष महास्वच्छता अभियान पूरी गति से आगे बढ़ रहा है। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा की पहल पर आयोजित किये जा रहे स्वच्छ जयपुर-स्वस्थ जयपुर की थीम पर विशेष स्वच्छता अभियान के छठे चरण के तहत सोमवार को मालवीय नगर, जगतपुरा एवं झालाना जोन के हर वार्ड, गली, मोहल्ले में सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का शुभारंभ प्रातः 7.00 बजे अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल द्वारा स्वच्छता वाहनों को राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर से हरी झण्डी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त स्वास्थ्य ओम थानवी, उपायुक्त जगतपुरा/झालाना अर्पणा शर्मा, मालवीय नगर जोन उपायुक्त मुकुट सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ओम कसेरा ने बताया कि मानसून के बाद शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने तथा स्वच्छ जयपुर-स्वस्थ जयपुर की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से 8 सितम्बर तक 7 चरणों में विभिन्न जोनों में यह अभियान चलाया जा रहा है।

मनोरंजन समाचार

सुकेश के मकोका मामले में जैकलीन फर्नांडिस को आरोपी बनाने की मांग, अर्जी पर कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली,। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपए की कथित वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अब उन्हें मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून) के तहत आरोपी बनाने की मांग उठी है। इस मांग को लेकर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में अर्जी दाखिल की गई है। कोर्ट ने इस अर्जी पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को तय की गई है। बता दें कि 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन पहले से आरोपी हैं और मई 2026 में दिल्ली की अदालत ने उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। वहीं, इसी से जुड़े जबरन वसूली और मकोका मामले में सुकेश और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए गए थे। उस समय उपलब्ध अदालत संबंधी रिपोर्टों में जैकलीन को मामले में आरोपी नहीं बताया गया था। अब नई अर्जी में मांग की गई है कि जैकलीन को भी मकोका मामले में आरोपी बनाया जाए। कोर्ट ने इस मांग पर दिल्ली पुलिस जवाब मांगा है और 15 सितंबर को आगे की सुनवाई तय की है। पुलिस के जवाब के आधार पर कोर्ट देखेगा कि जैकलीन को इस मामले में आरोपी बनाने की मांग पर आगे कोई कार्रवाई बनती है या नहीं। यह पूरा मामला सुकेश चंद्रशेखर पर लगे 200 करोड़ रुपए की कथित जबरन वसूली के आरोप से शुरू हुआ था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह से जेल में बंद सुकेश ने कथित तौर पर खुद को एक बड़े सरकारी अधिकारी के रूप में पेश किया था।

सिंगर निसार वायनाड का निधन, 44 की उम्र में दुबई में गई जान, सामने आई मौत की गंभीर वजह

मलयाली समुदाय के बीच अपनी खास आवाज के लिए पहचान बनाने वाले गायक निसार वायनाड का दुबई में 44 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह यूएई में खास तौर पर अपनी ऐसी गायकी के लिए लोकप्रिय थे, जिसमें दिग्गज प्लेबैक सिंगर उदित नारायण की आवाज की झलक सुनाई देती थी। निसार नियमित रूप से दुबई और यूएई के दूसरे शहरों में होने वाले संगीत कार्यक्रमों और सामुदायिक आयोजनों में प्रस्तुति देते थे। उनके निधन की खबर से वहां रहने वाले मलयाली समुदाय में शोक व्याप्त है। मीडिया रिपोर्ट्स में निसार के दोस्तों के हवाले से बताया गया कि शनिवार दोपहर उन्हें तेज बुखार हुआ था। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक उनके डेथ नोटिफिकेशन में मौत का कारण एसिडोसिस (वह स्थिति है जब शरीर के तरल पदार्थों और रक्त में एसिड की मात्रा बहुत बढ़ जाती है और पीएच स्तर सामान्य से कम हो जाता है) दर्ज किया गया है। निसार के अचानक निधन ने उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों को स्तब्ध कर दिया है। सबसे भावुक करने वाली बात यह रही कि जिस दिन उनका निधन हुआ, उसी दिन उन्हें अजमान में एक संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति देनी थी। वह कार्यक्रम उनके लिए रोजमर्रा के कई दूसरे शो की तरह एक और संगीत संध्या होने वाली थी, लेकिन उससे पहले ही उनके निधन की खबर सामने आ गई। निसार अपने पीछे पत्नी और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। निसार वायनाड ने कभी यह छिपाया नहीं कि उदित नारायण उनके पसंदीदा गायकों में से एक थे। उनके पुराने सोशल मीडिया पोस्ट से भी पता चलता है कि हिंदी सिनेमा के इस दिग्गज गायक का उनके संगीत सफर पर गहरा प्रभाव था। एक पुराने पोस्ट में निसार ने उस मुलाकात को याद किया था, जिसका उन्हें लगभग दो दशकों से इंतजार था। उन्होंने बताया था कि उदित नारायण से मिलने का सपना आखिरकार पूरा हुआ।

पिता सचिन पिलगांवकर की ट्रोलिंग पर श्रेया का करारा जवाब, 'जो सामने तस्वीर खिंचवाते हैं'

दिग्गज अभिनेता और फिल्मकार सचिन पिलगांवकर पिछले छह दशक से ज्यादा समय से बॉलीवुड इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। पिछले कुछ समय से वह अपने इंटरव्यूज को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे है, जिसके बाद सपोर्ट में उनकी बेटी श्रेया पिलगांवकर उतरीं और कहा कि जो लोग उनको इंटरनेट पर ट्रोल कर रहे हैं, वही लोग जब सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। श्रेया ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, "लोगों को शायद इस बात का अंदाजा नहीं है कि मेरे पिता ने अपने लंबे करियर में कितना कुछ देखा और सीखा है। तो वह अपने अनुभव साझा करते हैं और इसमें कुछ भी गलत नहीं है।"

बिग बॉस 20 में नहीं मिली एंट्री, चंद मिनट में बाहर होने पर ट्रोल हुईं रिया अहीर, भद्दे कमेंट्स का दिया करारा जवाब

रविवार, 6 सितंबर, 2026 को सुपरस्टार सलमान खान ने 'बिग बॉस 20' का आगाज किया। शो में फिल्म से लेकर टीवी और सोशल मीडिया के कई चर्चित चेहरों ने बतौर कंटेस्टेंट एंट्री ली है। टीवी एक्ट्रेस माही विज, कनिका मान, अमन गांधी, मैरी कॉम से लेकर काजी तौकीर जैसे चर्चित चेहरे इस बार शो में शामिल हुए हैं। इन सबके बीच शो में एक ऐसी कंटेस्टेंट ने भी एंट्री ली, जिसे जनता ने चुना था और वो कंटेस्टेंट हैं लव गिल। होस्ट सलमान खान ने प्रीमियर एपिसोड में लव गिल और रिया अहीर को एक साथ स्टेज पर बुलाया और जनता के वोट के आधार पर लव गिल को घर के अंदर जाने का मौका मिला, जबकि रिया अहीर को बिग बॉस हाउस में जाने का मौका नहीं मिला, जिसके बाद रिया सोशल मीडिया पर ट्रोल्स के निशाने पर आ गई हैं। दरअसल, शो की शुरुआत से पहले ही लव गिल और रिया अहीर के बीच CJP प्रोटेस्ट को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त कैटफाइट चल रही थी। दोनों एक-दूसरे पर जमकर वार कर रही थीं। वहीं शो के दौरान जब बिग बॉस हाउस में जाने के लिए दोनों के बीच बैटल हुआ तो इसमें लव गिल ने जीत हासिल की और रिया शो से बाहर हो गईं। इस पर रिएक्ट करते हुए कई लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। कई ने उन पर अपमानजनक टिप्पणी की, जिसका स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए रिया अहीर ने ट्रोल्स को करारा जवाब दिया है। रिया अहीर ने '140 रुपये' सहित अन्य अपमानजनक टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा- 'कल रात को मैंने एक वीडियो डाला था कि आपके सपोर्ट का बहुत-बहुत धन्यवाद। अब मैं आपको उस सिक्के का दूसरा पहलू बताती हूं। इन्होंने पता नहीं 140 रुपये में ऐसा क्या खरीद लिया है कि मेरा रेट लगा रहे हैं। इन्हें लगता है जैसे मैंने इनकी थाली से कुछ छीन लिया है। इन्हें लग रहा है कि किसी को किन्नर कहकर ये बहुत महान काम कर रहे हैं। किन्नर हमारे समाज की बहुत मजबूत कम्यूनिटी है, तो मुझे नहीं लगता कि ये कोई गाली है, जैसा कि आपको लग रहा है।' रिया अहीर मुंबई की रहने वाली हैं और एक मॉडल, एक्ट्रेस और होस्ट हैं। वह थिएटर, कमर्शियल और म्यूजिक वीडियोज में काम कर चुकी हैं। हाल ही में रिया NEET पेपर लीक को लेकर हुए सीजेपी प्रोटेस्ट में शामिल हुईं और इस दौरान काफी चर्चा में रहीं। एक वायरल वीडियो में वह पुलिस वैन को रोकती दिखी थीं और उनका ये वीडियो काफी सुर्खियों में रहा। दूसरी तरफ बिग बॉस 20 की बात करें तो शो की शुरुआत हो चुकी है और शो में बॉक्सर मैरी कॉम, माही विज, आसिफ शेख, कनिका मान, अरिश्फा खान, सिंगर काजी तौकीर, आम्रपाली दुबे, ईशा रिखी, तन्मय सिंह, कुशल तंवर, हर्ष मचारे, उदिति सिंह, रोहेद खान, लव गिल, रिति तिवारी और अमन गांधी ने बतौर कंटेस्टेंट एंट्री ली है। शो का पहला दिन ही काफी हलचल भरा रहा। माही गिल अन्य घरवालों को अलग-अलग काम थमाने लगीं, जिसके बाद अन्य सदस्यों ने इसे लेकर नाराजगी जताई।

जिस एक्टर को जानती तक नहीं थीं राधिका आप्टे, उसने शूटिंग पर ऐसी हरकत की

राधिका आप्टे उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, जिन्होंने बिना किसी बड़े फिल्मी परिवार से आए अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने ग्लैमर से ज्यादा अपनी एक्टिंग और अलग तरह की कहानियों को महत्व दिया। आज वह हिंदी के साथ-साथ मराठी, बंगाली, तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में भी काम कर रही हैं। वह अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। इसी वजह से उनके करियर से जुड़े कई किस्से चर्चा में रहे हैं। ऐसा ही एक किस्सा उस समय सामने आया, जब उन्होंने शूटिंग के दौरान अपने को-स्टार की हरकत पर उसे थप्पड़ जड़ दिया था। राधिका आप्टे का जन्म 7 सितंबर 1985 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ। बचपन से ही उनका झुकाव कला की तरफ था। उन्होंने करीब आठ साल तक कथक सीखा और इसी दौरान थिएटर से भी जुड़ गईं। थिएटर में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। फिल्मों में राधिका की शुरुआत साल 2005 में फिल्म 'वाह! लाइफ हो तो ऐसी!' से हुई। इसके बाद उन्होंने छोटे-बड़े कई किरदार किए। साल 2009 की बंगाली फिल्म 'अंतहीन' में उन्हें अहम भूमिका मिली। इसके बाद 'रक्त चरित्र,' 'शोर इन द सिटी,' और तमिल फिल्म 'धोनी' जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने अलग-अलग भाषाओं के सिनेमा में काम किया। शुरुआत में उन्हें बहुत बड़े मौके नहीं मिले, लेकिन उन्होंने हर भूमिका को गंभीरता से निभाया और धीरे-धीरे अपनी जगह मजबूत करती गईं।

साल 2015 राधिका के करियर के लिए बेहद खास रहा। 'बदलापुर' और 'हंटरर' जैसी फिल्मों में उनके काम को पसंद किया गया। इसके बाद 'मांझीः द माउंटेन मैन', 'फोबिया' और 'पार्च्ड' जैसी फिल्मों में शानदार किरदार निभाए। 'पार्च्ड' में उनके काम के लिए उन्हें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ लॉस एंजेलिस में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार भी मिला।

इसके बाद राधिका ने डिजिटल दुनिया में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई। साल 2018 में वह 'लस्ट स्टोरीज', 'सेक्रेड गेम्स' और 'घोल' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं। 'लस्ट स्टोरीज' में उनके अभिनय को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन मिला। वह इस नामांकन तक पहुंचने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं। इसके अलावा 'रात अकेली है', 'मोनिका, ओ माई डार्लिंग' और दूसरी फिल्मों में भी उन्होंने अलग तरह के किरदार निभाए।

राधिका के बेबाक अंदाज को भी लोग काफी पसंद करते हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने तमिल फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई घटना के बारे में बताया था। राधिका आप्टे के मुताबिक, एक को-स्टार ने शूटिंग के दौरान उनके पैरों को गुदगुदाना शुरू कर दिया। वह उस अभिनेता को ठीक से जानती भी नहीं थीं। उन्हें यह हरकत बिल्कुल पसंद नहीं आई और उन्होंने तुरंत उसे थप्पड़ मार दिया।

राधिका को अपने करियर में कई बड़े सम्मान और नामांकन मिल चुके हैं। 'पार्च्ड' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने के अलावा उन्हें 'मांझीः द माउंटेन मैन', 'लस्ट स्टोरीज', 'अंधाधुन' और दूसरी फिल्मों के लिए भी पुरस्कारों में नामांकन मिला। 2017 में 'मैडली' के लिए ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान मिला।

हाल के वर्षों में वह 'सिस्टर मिडनाइट' फिल्म, जिसने कान फिल्म फेस्टिवल में जगह बनाई और 'साली मोहब्बत' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी नजर आईं। राधिका आप्टे की फिल्मी यात्रा को देखें तो उन्होंने लगातार ऐसे किरदार चुने, जिनमें अभिनय की अलग-अलग परतें दिखाने का अवसर मिला। मुख्यधारा की फिल्मों के साथ उन्होंने स्वतंत्र सिनेमा और डिजिटल प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। यही विविधता उनके करियर की सबसे खास पहचान मानी जाती है। उनके बेबाक स्वभाव ने भी उन्हें दूसरी अभिनेत्रियों से अलग पहचान दिलाई है। थिएटर से मिली प्रशिक्षण की पृष्ठभूमि का असर उनके अभिनय में भी दिखाई देता है। कथक और रंगमंच से जुड़ाव ने उन्हें बॉडी लैंग्वेज, भाव-भंगिमा और किरदार की बारीकियों को समझने में मदद की।

72 साल में पहली बार, दिल्ली से बाहर आयोजित होगा नेशनल फिल्म अवॉर्ड समारोह, जानें कब और कहां होगी सेरेमनी

नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का आयोजन हर साल दिल्ली में होता है। लेकिन, इस बार पहली बार इस परंपरा में बदलाव हो रहा है, क्योंकि इस बार राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड का आयोजन दिल्ली से बाहर हो रहा है। राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड का दिल्ली से पुराना नाता रहा है। हर साल दिल्ली में सिनेमा जगत की बड़ी हस्तियां इंडस्ट्री के साल के सबसे बेहतरीन कामों का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा होती रही हैं। लेकिन इस साल, यह प्रतिष्ठित समारोह दिल्ली की जगह एक नई जगह पर आयोजित हो रहा है। इस बार अवॉर्ड समारोह राष्ट्रीय राजधानी की जगह गुजरात के एकता नगर में आयोजित किया जाएगा। PTI की रिपोर्ट के अनुसार, इस बार राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड समारोह का आयोजन 22 सितंबर को गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) में आयोजित होगा। नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स के 72 सालों के इतिहास में ये पहली बार होगा जब इसका आयोजन दिल्ली के बाहर किया जाएगा। सोमवार को अधिकारियों ने बताया कि इस महीने के आखिरी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुजरात दौरे के दौरान फिल्मी हस्तियों को ये सम्मान प्रदान करेंगी। एकता नगर को पहले केवड़िया के नाम से जाना जाता था और ये 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के लिए मशहूर है। नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की बात करें तो साल 1954 में पहली बार ये अवॉर्ड दिए गए थे।

कौन हैं 'इंडियाज गॉट लैटेंट 2' की बेबाक कॉमेडियन सुरभि वंजारा, 'मर्डर' एक्ट्रेस ने जमकर उड़ाई समय रैना की खिल्ली

'इंडियाज गॉट लैटेंट 2' के नए एपिसोड के बाद अभिनेत्री और स्टैंडअप कॉमेडियन सुरभि वंजारा सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। शो में उनके कई जवाबों और पैनलिस्ट्स के साथ हुई बातचीत के वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इससे पहले भी शो में नजर आए जेनी कामकी, चेल्लो मीम और दूसरे प्रतिभागियों की बातचीत और खासकर समय रैना के साथ उनके मजेदार संवाद सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच चुके हैं। अब सुरभि की बेबाक शैली ने उन्हें एक बार फिर दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। सुरभि वंजारा मनोरंजन जगत के लिए बिल्कुल नया नाम नहीं हैं। वह पिछले कई वर्षों से टेलीविजन, फिल्मों और डिजिटल माध्यमों में काम कर रही हैं। अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने कई लोकप्रिय टीवी सीरियल्स में एपिसोडिक भूमिकाएं निभाईं। इनमें 'सीआईडी', 'आहट', 'शी...कोई है' और 'हेलो इंस्पेक्टर' जैसे शो शामिल रहे। शुरुआती दौर में छोटे पर्दे पर अलग-अलग भूमिकाएं करने के बाद सुरभि को वर्ष 2003 में आए लोकप्रिय सीरियल 'जस्सी जैसी कोई नहीं' से ज्यादा पहचान मिली। इस शो में उन्होंने मारिया का किरदार निभाया था। मोना सिंह, अपूर्व अग्निहोत्री और रक्षा खडसे जैसे कलाकारों से सजे इस शो ने उस दौर में टेलीविजन दर्शकों के बीच अच्छी लोकप्रियता हासिल की थी। सुरभि ने वर्ष 2004 में फिल्म 'मर्डर' के जरिए बॉलीवुड में भी काम किया। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में इमरान हाशमी और मल्लिका शेरावत मुख्य भूमिकाओं में थे। सुरभि ने फिल्म में राधिका का किरदार निभाया था, जिसका कहानी के महत्वपूर्ण घटनाक्रम से संबंध था। 'मर्डर' उस समय बॉक्स ऑफिस पर सफल फिल्मों में शामिल रही। फिल्म की कहानी, संगीत और कलाकारों के अभिनय की काफी चर्चा हुई थी। इस फिल्म को इमरान हाशमी के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में भी गिना जाता है। इसके बाद सुरभि इमरान हाशमी की एक और फिल्म 'तुमसा नहीं देखा' में नजर आईं, हालांकि यह फिल्म 'मर्डर' जैसी व्यावसायिक सफलता हासिल नहीं कर सकी। सुरभि वंजारा का टेलीविजन से जुड़ाव आगे भी जारी रहा। उन्होंने 'F.I.R.', 'हिटलर दीदी' और 'कबूल है' जैसे सीरियल्स में काम किया।

सार समाचार

भारत और बांग्लादेश ने द्विपक्षीय सहयोग को और प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की

ढाका। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने सोमवार को ढाका में प्रधानमंत्री तारिक रहमान के लोक प्रशासन मंत्रालय के सलाहकार इस्माइल जबीहुल्लाह से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में भारत-बांग्लादेश संबंधों की नींव दोनों ओर के लोगों के आपसी संबंधों को बताया। साथ ही, दोनों पक्षों ने आपसी भरोसे और फायदे पर आधारित भविष्योन्मुखी साझेदारी के जरिए द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। ढाका में भारतीय उच्चायोग ने एक्स पोस्ट में कहा, "चर्चा में लोगों के बीच आपसी जुड़ाव को द्विपक्षीय संबंधों की नींव है। बैठक में भारत-बांग्लादेश संबंधों से जुड़े कई विषयों पर चर्चा हुई और उम्मीद जताई गई कि दोनों संप्रभु देश आपसी भरोसे और फायदे के आधार पर भविष्योन्मुखी सोच के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।" बाद में, उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री अब्दुल अवल मिंटू से भी मुलाकात की। ढाका में उच्चायोग ने एक्स पर लिखा, "उन्होंने वन्यजीव संरक्षण और आवास सुरक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग तंत्र की प्रगति पर चर्चा की। साथ ही, सीमा-पार प्रदूषण, कचरा प्रबंधन और आपसी हित के अन्य पर्यावरणीय मुद्दों पर सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों पर भी बात की।" पोस्ट में यह भी बताया गया कि बैठक के दौरान राज्य मंत्री शेख फरीदुल इस्लाम भी मौजूद थे। रविवार को त्रिवेदी ने बांग्लादेश के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री निताई रॉय चौधरी के साथ दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करने पर बातचीत की।

इंडोनेशिया ने ज्वालामुखी के फिर से फटने के कारण चार एयरपोर्ट बंद रखने की अवधि बढ़ाई

जकार्ता। इंडोनेशिया ने माउंट अनाक क्राकाताऊ ज्वालामुखी के फिर से फटने के बाद चार हवाई अड्डों पर उड़ान निलंबन को सोमवार की शाम 6 बजे तक बढ़ा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि ज्वालामुखी की राख जकार्ता की ओर बढ़ रही है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की ओर से साझा जानकारी अनुसार, हवाई अड्डा संचालक अंगकासा पुरा इंडोनेशिया ने कहा कि जकार्ता के सुकर्णो-हट्टा और हलीम परदानाकुसुमा हवाई अड्डों के साथ-साथ लाम्पुंग के राडिन इंटेन II और बांडुंग के हुसैन सास्त्रानेगारा हवाई अड्डे पर उड़ानें निलंबित रहेंगी। मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी (बीएमकेजी) ने कहा कि सैटेलाइट तस्वीरों में सोमवार सुबह 6 बजे तक ज्वालामुखी राख के दो गुच्छे जकार्ता की ओर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं।

'रूस में लोकतंत्र खत्म, चुनाव सिर्फ दिखावा', यूक्रेन के विदेश मंत्री का पुतिन पर तीखा हमला

यूक्रेन। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबीहा ने रूस में होने वाले चुनाव पर सवाल उठाते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पुतिन की सरकार ने रूस में लोकतंत्र जैसी दिखाई देने वाली लगभग हर व्यवस्था को खत्म कर दिया है। सिबीहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''18 से 20 सितंबर के बीच रूस में होने वाली इस प्रक्रिया को 'विधानसभा चुनाव' नहीं कहा जा सकता।'' उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, ''व्लादिमीर पुतिन पिछले 26 वर्षों से रूस पर शासन कर रहे हैं, जो जोसेफ स्टालिन के शासन काल से भी लंबा समय है। इस दौरान उनकी सरकार ने लोकतंत्र जैसी दिखाई देने वाली लगभग हर व्यवस्था को धीरे-धीरे खत्म कर दिया है।'' एंड्री सिबीहा ने बताया कि रूस में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कड़े प्रतिबंध हैं, विपक्षी नेताओं को जेल में डाला गया है या उनकी हत्या कर दी गई है। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की हल्की आलोचना करने वाली एकमात्र राजनीतिक पार्टी को भी चुनावी प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है। चुनाव में मौजूद बाकी विकल्प मतदाताओं को कोई वास्तविक विकल्प नहीं देते और स्वतंत्र ओएससीई पर्यवेक्षकों को भी पूरी तरह बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा ये तथाकथित 'चुनाव' दूसरे संप्रभु देशों के उन क्षेत्रों में भी कराए जाने वाले हैं, जिन पर रूस ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। इनमें यूक्रेन का क्रीमिया और देश के पूर्वी तथा दक्षिणी हिस्सों के कब्जे वाले क्षेत्र शामिल हैं।

मियामी एयरपोर्ट पर हादसा! अमेजन का कार्गो प्लेन क्रैश होने के बाद लगी आग, 5 की मौत

अमेरिका के मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हादसा हो गया है। यहां अमेजन का एक कार्गो प्लेन रनवे से निकल कर गाड़ियों से टकरा गया। हादसे के बाद प्लेन में आग लग गई, जिससे 5 लोगों की मौत गई है, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद कुछ लोग गाड़ियों के अंदर काफी देर फंसे रहे और पायलट और को-पायलट भी प्लेन में फंसे रहे, जिन्हें रेस्क्यू टीम ने बाहर निकाला। हादसे के बाद मियामी-डेड फायर रेस्क्यू की 60 से ज़्यादा यूनिट्स मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान चलाया। इससे पहले कैलिफोर्निया में भी एक प्लेन क्रैश हुआ था, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक प्यूर्टो रिको के सैन जुआन से आया अमेजन का कार्गो विमान रनवे से आगे निकल गया। मियामी-डेड काउंटी अधिकारियों के अनुसार, विमान कई गाड़ियों से टकराया और उसमें आग लग गई, जिससे कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह घटना दोपहर करीब 2 बजे (स्थानीय समय) हुई, जब कार्गो विमान अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित व्यस्त एयरपोर्ट पर उतरा था। इस क्रैश के बाद बड़े पैमाने पर इमरजेंसी ऑपरेशन शुरू किया गया। हादसे के बाद आसमान में घना काला धुआं उठ रहा था और फायर फाइटर्स व बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौत हुई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दो और लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जिनकी चोटें कम गंभीर बताई गईं। अधिकारियों ने कहा कि अभी यह तय करना जल्दबाजी होगी कि मरने वाले लोग विमान में सवार थे या उन गाड़ियों में थे जिन्हें रनवे से आगे निकलने के दौरान विमान ने टक्कर मारी थी। मियामी-डेड रेस्क्यू फायर चीफ रे जदाल्लाह ने कहा कि इस दुर्घटना के कारण बचाव कार्य में कई चुनौतियां आईं। पायलट और को-पायलट कॉकपिट के अंदर फंसे हुए थे, जबकि कुछ लोग उन गाड़ियों में भी फंसे थे, जिन्हें दुर्घटना के दौरान टक्कर लगी थी।

नेपाल तबाही में मरने वालों का आंकड़ा 1355 पहुंचा, आज राष्ट्रीय शोक दिवस पर रहेगा सार्वजनिक अवकाश

नेपाल में बाढ़ के कारण आई तबाही से लोग अब तक उबर नहीं पाए हैं। बीते 26 अगस्त को तिब्बत के करीब रसुवा और आसपास के जिलों में आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी जिससे बड़े स्तर पर जान-माल का नुकसान देखने को मिला है। इस आपदा में अब तक 1355 लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 5000 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। अब नेपाल की सरकार ने सोमवार को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाने का फैसला किया है और सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की है। नेपाल नें 26 अगस्त को आई भयंकर तबाही में हजारों लोग बेघर हो गए जबकि अबतक हजारों लोगों के शव मिल चुके हैं। नेपाल सरकार के द्वारा सोमवार 7 सितंबर को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाते हुए सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की गई है। नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा के प्रति सामूहिक रूप से नेपाल के विभिन्न जगहों पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। बिहार-नेपाल सीमा के रक्सौल से सटे बीरगंज महानगरपालिका के घंटाघर चौक पर श्रद्धांजलि सभा के साथ दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए दीप प्रज्वलन भी किया गया। आपको बता दें कि नेपाल में आई आपदा को 13 दिन पूरे हो चुके हैं। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, किसी व्यक्ति की मृत्यु के 13वें दिन को शोक अवधि का अहम दिन माना जाता है। नेपाल के गृह मंत्रालय ने बताया है कि सोमवार को देशभर के सरकारी कार्यालयों और विदेशों में स्थित नेपाली राजनयिक मिशनों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। नेपाल में आई इस आपदा ने घरों, सड़कों, पुलों, हाईड्रो पावर प्रोजेक्ट और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चरों को बड़े स्तर पर नुकसान पहुंचाया है। जहां सबसे ज्यादा तबाही हुई है वहां खोज और बचाव अभियान लगातार जारी है।

जर्मनी में दक्षिणपंथी एएफडी से राज्य चुनाव में मिली करारी हार, चांसलर मर्ज 'हैरान'

बर्लिन। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की सत्तारूढ़ क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) को सैक्सोनी-आनहाल्ट के राज्य चुनाव में मिली करारी हार ने उनकी सरकार और नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चुनाव नतीजों ने दक्षिणपंथी पार्टी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है, जबकि सीडीयू को सत्ता से बाहर होना पड़ा है। चुनाव परिणाम के बाद सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मर्ज ने स्वीकार किया कि यह उनकी पार्टी की "वर्षों, बल्कि दशकों में सबसे गंभीर चुनावी हार" में से एक है।

उन्होंने कहा कि नतीजे ने उन्हें और उनकी पार्टी को "गहराई से झकझोर दिया" है और सरकार अब इसे नजरअंदाज नहीं कर सकती। मर्ज के सामने सबसे सीधा सवाल उनकी राजनीतिक जिम्मेदारी को लेकर था। उनसे पूछा गया कि आखिर वह किस बिंदु पर यह स्वीकार करेंगे कि उनकी राजनीतिक रणनीति विफल हो रही है और वह चांसलर के रूप में आगे सेवा करने की स्थिति में नहीं हैं। चांसलर ने हालांकि पद छोड़ने की किसी संभावना के संकेत नहीं दिए। उन्होंने कहा, "वह इस बात पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं कि देश को फिर से साझा राजनीतिक सफलता के रास्ते पर कैसे लाया जाए।" साथ ही उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "हार मानना कोई विकल्प नहीं है।" उन्होंने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो हर दिन अपनी भावनाएं सार्वजनिक रूप से जाहिर करते रहें, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में सरकार को आत्ममंथन करना होगा। मर्ज ने अपनी सरकार के कामकाज का बचाव करते हुए कहा कि आने वाले समय में सरकार को यह साबित करना होगा कि पिछले साल चुना गया राजनीतिक रास्ता सही था। उन्होंने माना कि जनता का भरोसा दोबारा हासिल करने के लिए सरकार को अपने फैसलों और उनके पीछे की वजहों को बेहतर ढंग से समझाना होगा। उन्होंने कहा कि जर्मनी को प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने, नौकरशाही कम करने और आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली अड़चनों को दूर करने के लिए और अधिक काम करने की जरूरत है। हालांकि, सरकार में शामिल सीडीयू और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) के बीच मतभेदों के सवाल पर मर्ज़ ने स्वीकार किया कि दोनों गठबंधन सहयोगियों को आपस में "बात करने की जरूरत" है। उन्होंने कहा कि एएफडी के मजबूत प्रदर्शन के पीछे अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह के कारण हैं।"

UN चीफ की तालिबान से अपील, 'संयुक्त राष्ट्र के लिए महिलाओं को करने दें काम'

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने तालिबान द्वारा अफगान महिलाओं और युवतियों पर लगातार थोपी जा रही भेदभावपूर्ण नीतियों पर गहरी फिक्र जाहिर की है। उन्होंने अफगान महिलाओं के संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने पर लगी रोक को तुरंत हटाने और देश भर में संयुक्त राष्ट्र के परिसरों तक उनकी सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के पहुंच सुनिश्चित करने की अपनी मांग को फिर से दोहराया है। गुटेरेस ने कहा कि सार्वजनिक जीवन, शिक्षा और रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की पूरी भागीदारी पर लगी रोक उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। साथ ही, यह अफगानिस्तान के आर्थिक विकास, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में फिर से शामिल होने की राह में एक बड़ी बाधा बनी हुई है। गुटेरेस का यह बयान ऐसे समय में आया है जब 7 सितंबर को अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) परिसरों में अफगान महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगे हुए एक साल पूरा हो गया है। यूएन प्रमुख ने तालिबान से आग्रह किया कि वे यूएन के लिए काम करने वाली अफगान महिलाओं पर लगी रोक को तुरंत हटाएं और यूएन परिसरों तक उनकी सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के पहुंच सुनिश्चित करें। "ये प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। इसमें यूएन चार्टर भी शामिल है। ये संगठन की उस क्षमता को कमजोर करते हैं जिसके जरिए वह अपना काम पूरा करता है और अफगान लोगों तक जीवन बचाने वाली और अन्य सहायता पहुंचाता है, खासकर ऐसे समय में जब उनकी जरूरतें बहुत ज्यादा हैं।" उन्होंने आगे कहा, "अपने काम को पूरा करने और सांस्कृतिक रीति-रिवाजों के अनुसार जरूरतमंद लोगों, खासकर महिलाओं और लड़कियों तक पहुंचने और उनकी मदद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सभी कर्मचारियों की अपने कार्यस्थलों तक बिना किसी रुकावट के पहुंच बहुत जरूरी है। एक प्रभावी और सिद्धांतों पर आधारित प्रतिक्रिया के लिए बहुत जरूरी है।"

टोक्यो के ओशिमा नगर में 'लेवल-5' चेतावनी जारी

टोक्यो। जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाएची ने बताया कि टोक्यो के ओशिमा नगर 'लेवल-5 भूस्खलन आपदा विशेष चेतावनी' जारी की गई है। इन क्षेत्रों में काफी बारिश के बाद भूस्खलन की संभावना बनी हुई है। इससे पहले टोक्यो के ही नीइजीमा गांव के लिए चेतावनी जारी की गई थी। पीएम ने लोगों से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी जापान से लेकर उत्तरी जापान तक प्रशांत महासागर की तरफ के बड़े हिस्से में एक 'फ्रंट' और एक 'ट्रॉपिकल डिप्रेशन' (जो पहले टाइफून था) के असर से भारी बारिश हो सकती है। लोगों से भूस्खलन, निचले इलाकों में जलभराव, नदियों के जलस्तर बढ़ने और संभावित बाढ़ को लेकर पूरी सतर्कता बरतने की अपील की गई है। प्रधानमंत्री तकाएची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर खतरे की जानकारी साझा कर लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''टोक्यो के नीइजीमा गांव के अलावा अब टोक्यो के ओशिमा नगर के लिए भी 'लेवल-5 भूस्खलन आपदा विशेष चेतावनी' जारी की गई है। इन क्षेत्रों में अभूतपूर्व स्तर की भारी बारिश हो रही है। खासकर भूस्खलन जोखिम वाले इलाकों में यह संभावना बहुत अधिक है। पहले ही कई घटनाएं हो चुकी हैं।'' पीएम तकाएची ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि खतरे की संभावना बनी हुई है, ऐसे में स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और तुरंत अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

रूस के उत्तरी काकेशस में हिमस्खलन: 11 की मौत, 6 लापता

मास्को। रूस के उत्तरी काकेशस में बर्फीले तूफान की चपेट में आए 11 लोगों की मौत हो गई है, वहीं छह लापता बताए जा रहे हैं। खराब मौसम की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आ रही हैं। स्थानीय इमरजेंसी सर्विस के हवाले से सोमवार को सिंहुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि रूस के नॉर्थ काकेशस इलाके में काबारडिनो-बाल्कारिया क्षेत्र में पर्वतारोहियों के समूह में शामिल 11 लोग बर्फीले तूफान का शिकार हुए। वहीं छह लोग घायल हुए तो छह लापता बताए जा रहे हैं। रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम करीब 5 बजे, यह हादसा बेजेंगी गॉर्ज में हुआ, जहां 5,025 मीटर ऊंचे माउंट मिजिरगी से बर्फीला तूफान (एवलांच) नीचे की ओर बढ़ा और 33 पर्वतारोहियों के एक दल को अपनी चपेट में ले लिया। टीएएसएस न्यूज एजेंसी के अनुसार, बचाव दल और एक एमआई-8 हेलीकॉप्टर को घटनास्थल पर भेजा गया और तीन बचे हुए लोगों को सुरक्षित निकालकर नालचिक पहुंचाया गया। इमरजेंसी सर्विस ने बताया कि सोमवार सुबह 9 बजे तक, 10 पर्वतारोही खुद पहाड़ से नीचे उतर आए थे, जबकि छह अन्य लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया कि खोज और बचाव अभियान में 50 से ज्यादा इमरजेंसी वर्कर शामिल थे, लेकिन मुश्किल इलाके और दोबारा हिमस्खलन के जोखिम के कारण कोशिशों में रुकावट आ रही थी। इस साल पर्वतारोहियों के बड़ी संख्या में मारे जाने की ये दूसरी घटना है। 30 जुलाई को ही पाकिस्तान के ब्रॉड पीक पर आए बर्फीले तूफान की चपेट में एक दल आ गया था।

इंडोनेशिया: अनाक क्राकाटोआ ज्वालामुखी विस्फोट से 1.70 लाख यात्री फंसे, आठ हवाईअड्डे बंद

जकार्ता। इंडोनेशिया के माउंट अनाक क्राकाटोआ ज्वालामुखी में हुए विस्फोटों से हवाई सेवाओं पर काफी असर पड़ा है। ज्वालामुखी से उठी राख के कारण सोमवार को आठ हवाईअड्डों को बंद करना पड़ा, जिससे करीब 1.70 लाख यात्री प्रभावित हुए हैं और 1,500 से अधिक उड़ानें रद्द या बाधित हुई हैं। अंतारा न्यूज एजेंसी ने बताया कि इंडोनेशिया के परिवहन मंत्रालय के अनुसार, राजधानी जकार्ता के मुख्य सोकर्णो-हट्टा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर ही 964 उड़ानें प्रभावित हुई हैं। राख के कारण यहां उड़ान संचालन रोक दिया गया। कई एयरलाइनों ने जकार्ता आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दीं। अनाक क्राकाटोआ जावा और सुमात्रा द्वीपों के बीच सुंडा जलडमरूमध्य में स्थित है। इसमें शुक्रवार से गतिविधियां जारी हैं और रविवार को भी इसके कई विस्फोट हुए। ज्वालामुखी से निकली राख करीब 15,000 मीटर की ऊंचाई तक पहुंची, जिससे आसपास के इलाकों के साथ हवाई मार्ग भी प्रभावित हुए। इंडोनेशिया की नेशनल एजेंसी फॉर डिजास्टर काउंटरमेजर्स (बीएनपीबी) ने बताया कि माउंट अनाक क्राकाटाऊ से निकली राख से लामपुंग प्रांत के साउथ लामपुंग और टेंगगामुस, तथा बैंटेन प्रांत का पंडेगलांग इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। एजेंसी ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि सरकार बचाव और राहत के उपाय जारी रखेगी। राख के कारण जकार्ता और आसपास के इलाकों में लोगों को बाहर निकलते समय मास्क पहनने की सलाह दी गई है। जकार्ता और लामपुंग में स्कूलों ने स्वास्थ्य जोखिम को देखते हुए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने का फैसला किया है। मछली पकड़ने की गतिविधियां भी प्रभावित हुई हैं।

खेल समाचार

मोड्रिक ने संन्यास की अटकलों पर लगाया विराम, नेशंस लीग में खेलेंगे

मिलान। लुका मोड्रिक ने क्रोएशिया के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलना जारी रखने का फैसला किया है। इसी के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें अनुभवी मिडफील्डर के नेशनल टीम से संन्यास लेने के कयास लगाए जा रहे थे। क्रोएशियाई फुटबॉल फेडरेशन (एचएनएस) ने शनिवार को पुष्टि की है कि मोड्रिक चेक रिपब्लिक, स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम का हिस्सा होंगे। यह फैसला मोड्रिक के हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व करने के बाद आया है, जहां उनकी टीम को राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर संदेह पैदा हो गया था, खासकर इसलिए क्योंकि यह मिडफील्डर सितंबर में 41 साल का होने वाला है। हालांकि, नए नियुक्त हेड कोच स्लेवेन बिलिच और एचएनएस अध्यक्ष मारिजन कुस्टिक के साथ बातचीत के बाद मोड्रिक ने क्रोएशिया के आगामी आधिकारिक मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। एसी मिलान का यह मिडफील्डर क्रोएशिया के लिए एक अहम खिलाड़ी बना हुआ है, जिसने अपने देश के लिए 202 मैच खेले हैं। वह लगभग दो दशकों से नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और फीफा वर्ल्ड कप 2018 में क्रोएशिया के सफल सफर के दौरान उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी, जब टीम रनर-अप रही थी।

डीवाई पाटिल स्टेडियम में मरम्मत का काम जारी, नहीं खेले जा सकेंगे विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले

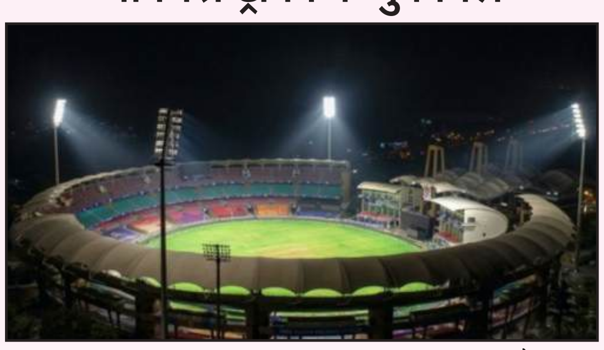

नई दिल्ली। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में मरम्मत का काम जारी है, जिसकी वजह से यह स्टेडियम विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी 2027 के मुकाबलों की मेजबानी नहीं कर सकेगा। यह टूर्नामेंट अगले साल 14 से 28 फरवरी के बीच भारत में खेला जाएगा। पिछले हफ्ते, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने छह टीमों वाले इस टी20 टूर्नामेंट के लिए मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम और वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को वेन्यू के तौर पर चुना। इससे पहले, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के कामकाज में सरकारी दखल के कारण टूर्नामेंट को श्रीलंका से हटा दिया गया था, लेकिन डीवाई पाटिल स्टेडियम का नाम लिस्ट में न होना हैरानी की बात है, क्योंकि इसे देश में महिला क्रिकेट का एक अहम केंद्र माना जाता है। डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी कैंपस में मौजूद यह निजी स्टेडियम विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल का वेन्यू था, जहां भारत ने साउथ अफ्रीका को हराकर अपनी पहली सीनियर महिला आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। यह स्टेडियम विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबलों के लिए भी एक मुख्य वेन्यू है। कई सूत्रों ने 'आईएएनएस' को बताया है कि दर्शकों के स्टैंड में बड़े पैमाने पर मरम्मत का काम जारी है, जिसकी वजह से यह स्टेडियम कुछ समय तक इस्तेमाल के लायक नहीं रहेगा।

एशियन गेम्स से पहले अपनी तैयारी को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं सात्विक-चिराग

नई दिल्ली। चीन मास्टर्स जीतने के बाद, भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी एशियन गेम्स से पहले मिले 10 दिनों के समय का पूरा फायदा उठाने पर ध्यान दे रहे हैं। मौजूदा चैंपियन होने के नाते इस बड़े टूर्नामेंट में उतरने के बावजूद, इस जोड़ी का कहना है कि उन पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं है। वर्ल्ड नंबर 5 भारतीय जोड़ी ने रविवार को चीन मास्टर्स के फाइनल में चीन के हे और रेन को 70 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 11-21, 21-13, 21-17 से हराया। यह जीत सात्विक और चिराग के लिए इसलिए भी खास थी, क्योंकि वे 2023 और 2025 में चीन मास्टर्स में दूसरे स्थान पर रहे थे और 2024 में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। वे 2005 में शुरू हुए इस इवेंट को जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी बन गए। चाइना मास्टर्स में यह जीत उनके करियर का 10वां बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल था और 2026 का तीसरा वर्ल्ड टूर फाइनल था। वे मई में थाईलैंड ओपन में रनर-अप रहे थे और उसी महीने के आखिर में सिंगापुर ओपन का टाइटल जीता था। चाइना मास्टर्स में उनके सफर ने उन्हें उन कुछ कमियों को दूर करने में भी मदद की जो पिछले महीने नई दिल्ली में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल से बाहर होने के दौरान सामने आई थीं। अपनी जीत पर बात करते हुए, इस जोड़ी ने कहा कि इस खिताब ने उन्हें एशियाई खेलों से पहले सही समय पर आत्मविश्वास दिया है। चिराग ने कहा, "वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद हम काफी बेहतर हुए हैं। हमें समय मिला और हमने खुद को उसके हिसाब से ढाला। वर्ल्ड चैंपियनशिप में हमारे लिए मुश्किल थी, क्योंकि हमारे पास ज्यादा समय नहीं था। एक मैच, और फिर हमने तुरंत क्वार्टरफाइनल खेला।"

'ज्यादा सोचो मत, बस रन बनाओ', 270 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलने के बाद बोले ईशान किशन

दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईशान किशन की 270 रनों की पारी ने सबका ध्यान खींच लिया। इस ऐतिहासिक पारी के बाद ईशान ने सिर्फ अपने खेल की बात नहीं की, बल्कि यह भी बताया कि कप्तानी ने उनके व्यक्तित्व और क्रिकेट को किस तरह बदला। ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने 7 सितंबर को कहा कि 2024 में झारखंड की कप्तानी संभालने के बाद उनके व्यक्तित्व और गेम में बड़ा बदलाव आया। उनके मुताबिक, कप्तानी की जिम्मेदारी ने उन्हें एक बेहतर इंसान, क्रिकेटर और लीडर बनने में मदद की। ईशान ने माना कि इस दौरान उन्होंने अपने पुराने बेपरवाह अंदाज से बाहर निकलकर जिम्मेदारी लेना सीखा। 2023 के आखिर में BCCI का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट गंवाने के बाद ईशान ने घरेलू क्रिकेट में वापसी की और झारखंड की कप्तानी स्वीकार की। जब भी वह उपलब्ध रहे, उन्होंने टीम की अगुआई की। मुश्किल दौर से गुजरने के बाद अब ईशान की भारतीय टीम में भी वापसी हो चुकी है और वह लिमिटेड ओवर्स के फॉर्मेट में टीम का हिस्सा हैं। ईशान इस साल तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। उनके नाम 28 मैचों में 986 रन दर्ज हैं। ईस्ट जोन की कप्तानी करते हुए ईशान ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ 270 रनों की शानदार पारी खेली। उनकी इस पारी की बदौलत ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। अपनी पारी के बाद ईशान ने कहा कि अब वह खुद को टीम के लिए रन बनाने की प्राथमिक जिम्मेदारी से पीछे नहीं रखना चाहते। ईशान ने कहा कि जब खिलाड़ी युवा होता है तो वह टीम के सीनियर खिलाड़ियों पर निर्भर रहता है और उम्मीद करता है कि वही रन बनाएंगे। लेकिन जब आप टीम में स्थापित हो जाते हैं तो जिम्मेदारी खुद उठानी पड़ती है। किशन ने आगे कहा कि वह आजकल जो सबसे अच्छी चीज कर रहा हैं, वह है किसी भी चीज के बारे में ज्यादा न सोचना। एक बल्लेबाज के तौर पर उनका काम बस मैदान पर जा कर गेंद के मुताबिक रिएक्शन देना है। वह खुद से किसी तरह की उम्मीद नहीं रखते। ईशान ने कहा कि कप्तानी ने उन्हें मैदान के बाहर भी कई चीजों को अलग नजरिए से देखने की सीख दी। उनके मुताबिक, टीम की जिम्मेदारी संभालने के बाद उन्हें अपने फैसलों और प्रदर्शन के साथ-साथ साथी खिलाड़ियों की जरूरतों पर भी ध्यान देना पड़ा। इस प्रक्रिया ने उन्हें अधिक जिम्मेदार और संतुलित क्रिकेटर बनने में मदद की। उन्होंने माना कि कप्तानी के शुरुआती दौर में कई चुनौतियां सामने आईं, लेकिन उन्हीं अनुभवों से उन्हें सीखने का मौका मिला। टीम के अलग-अलग खिलाड़ियों को समझना, मुश्किल परिस्थितियों में निर्णय लेना और मैच के दौरान संयम बनाए रखना उनके लिए महत्वपूर्ण सीख रही। ईशान के अनुसार, लीडर बनने के साथ व्यक्ति के भीतर भी बदलाव आना स्वाभाविक है। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में उनकी 270 रनों की पारी को इसी बदले हुए नजरिए का नतीजा माना जा रहा है। ईस्ट जोन की कप्तानी करते हुए उन्होंने लंबी पारी खेलकर न केवल टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, बल्कि अपनी बल्लेबाजी क्षमता का भी शानदार प्रदर्शन किया। विशाल स्कोर ने टीम को मुकाबले में मजबूत आधार दिया।

4 गेंदों में पलट गया मैच, अभिषेक शर्मा ने गेंद से किया शानदार कमबैक, शुभमन गिल को लौटना पड़ा पवेलियन

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में हर दिन एक से बढ़कर एक धमाकेदार मैच हो रहे हैं। ऐसा ही मजेदार नजारा टूर्नामेंट के 17वें मैच में देखने को मिला, जो फाजिल्का फाल्कंस और अमृतसर सूरमा टीमों के बीच खेला गया। इस मैच में सबसे बड़ा रोमांच तब देखने को मिला जब भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और धाकड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आमने-सामने आ गए।

इस मुकाबले में शुभमन गिल की टीम पहले बैटिंग करने मैदान में उतरी। गिल ने इससे पहले लुधियाना लायंस के खिलाफ मैच में भी जबरदस्त बल्लेबाजी की थी। अमृतसर सूरमा के खिलाफ इस मैच में शुभमन गिल ने ओपनिंग करते हुए धमाकेदार बल्लेबाजी की। उनकी तूफानी बैटिंग के आगे विरोधी गेंदबाज पूरी तरह बेबस नजर आ रहे थे। तभी अभिषेक शर्मा खुद गेंदबाजी करने आए, लेकिन शुभमन ने उन्हें भी नहीं बख्शा। 10वें ओवर की पहली तीन गेंदों पर ही शुभमन गिल ने 2 छक्के और 1 चौका ठोक दिया। लेकिन इसके ठीक बाद जो हुआ, उसने पूरा मैच पलट दिया। अभिषेक शर्मा की पहली तीन गेंदों पर शुभमन गिल ने चौके-छक्के जड़कर 16 रन बटोर लिए थे। शुभमन इस ओवर से और ज्यादा रन बटोरना चाहते थे, लेकिन इसी चक्कर में बाउंड्री पर कैच आउट हो गए। शुरुआती तीन गेंदों पर बुरी तरह पिटने के बाद अभिषेक ने ओवर खत्म होने से ठीक पहले गिल को आउट करके अपना बदला पूरा कर लिया।

इस तरह शुभमन गिल 35 गेंदों में 8 चौके और 3 छक्के की मदद से 67 रनों की शानदार पारी खेलकर आउट हुए। अभिषेक शर्मा ने इस मैच में बल्ले से भी अहम पारी खेली। पहले बल्लेबाजी करते हुए फाजिल्का की टीम 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाने में कामयाब रही। 192 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी अमृतसर सूरमा को अभिषेक शर्मा ने शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने ओपनिंग करते हुए 15 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्के की मदद से 326.67 की स्ट्राइक रेट से 49 रन की पारी खेली। अमृतसर की टीम ने इस मैच को 4 विकेट से अपने नाम किया।

भारत के खिलाफ ऐतिहासिक T20I के लिए जापान ने घोषित किया स्क्वाड

क्रिकेट के मैदान पर भारत और जापान की भिड़ंत अब हकीकत बनने जा रही है। दोनों देशों की टीमें पहली बार किसी इंटरनेशनल क्रिकेट मुकाबले में आमने-सामने होंगी। जापान ने इस ऐतिहासिक T20 इंटरनेशनल मैच के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान केंडल फ्लेमिंग को सौंपी गई है, जो एशियन गेम्स 2026 में भी टीम की कमान संभालते नजर आएंगे। भारत और जापान के बीच यह मुकाबला 22 सितंबर 2026 को जापान के तोचिगी प्रीफेक्चर स्थित सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। यह मैच सुजुकी कप का हिस्सा है और भारत-जापान के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के जश्न की शुरुआत के तौर पर आयोजित किया जा रहा है। जापान की टीम में कप्तान केंडल फ्लेमिंग के अलावा चार्ली हारा हिन्जे, बेंजामिन गो इटो डेविस, कोहेई कुबोटा, वाटारू मियाउची, रियो सकुरानो, डेक्लान सुजुकी, शोमा स्लेटर, अलेक्जेंडर शिराई, लैचलान लेक, माकोटो तानियामा, इब्राहिम ताकाहाशी, त्सुयोशी ताकादा, जेक कुसुडा और एलेस्टर फ्लेमिंग को शामिल किया गया है। यह मुकाबला स्पोर्ट 75 पहल का भी हिस्सा है। इस पहल का उद्देश्य भारत और जापान के बीच खेलों के जरिए आपसी संपर्क और सहयोग को बढ़ावा देना है। इसके तहत दोनों देशों के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने और क्रिकेट को जापान में ज्यादा लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। हाल ही में जब इस मुकाबले का ऐलान किया गया था, तो जापान क्रिकेट एसोसिएशन के CEO नाओकी मियाजी ने भारत के खिलाफ मुकाबले को जापान क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक मौका बताया था। उन्होंने कहा था कि मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत को जापान में खेलने के लिए आमंत्रित करना उनके संघ के लिए बेहद खास अवसर है। आमतौर पर करीब 500 दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान में मैच के दौरान लगभग 2000 दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है।

वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज: शीतल ने बनाई कंपाउंड महिला वर्ग के फाइनल में जगह

अहमदाबाद। वर्ल्ड आर्चरी पैरा चैंपियन और भारत की स्टार पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अहमदाबाद में आयोजित हो रही वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज 2026 के तीसरे चरण के कंपाउंड महिला व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। सोमवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में शीतल ने अपनी ही देश की खिलाड़ी सरिता को 145-143 के करीबी अंतर से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी बुधवार को फाइनल में कजाकिस्तान की दूसरी सीडेड खिलाड़ी आइजादा सेइडन का सामना करेंगी। वहीं, सरिता ब्रॉन्ज मेडल के लिए चीन की वांग हुइटिंग से मुकाबला करेंगी, जिन्होंने दूसरे राउंड में दुनिया की पहली क्वाड्रपल एम्प्यूटी (चारों अंग न होने वाली खिलाड़ी) पायल नाग को हराया था। शीतल ने रविवार को कंपाउंड महिला क्वालिफिकेशन में सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर 698 हासिल करके भारत की अंतरराष्ट्रीय मेजबानी की शुरुआत को यादगार बना दिया था। 19 वर्षीय बिना हाथों वाली तीरंदाज शीतल ने अपना ही एशियाई रिकॉर्ड एक प्वाइंट से बेहतर किया। यह रिकॉर्ड उन्होंने पहले नोवे मेस्टो में दूसरे चरण में बनाया था।

पाकिस्तान क्रिकेट में फिर आया भूकंप, खिलाड़ियों की जांच शुरू, क्या फिक्सिंग की भी आ रही बू?

इंग्लैंड से लगातार दो टेस्ट हारने के बाद अब पाकिस्तान क्रिकेट में फिर से भूकंप आ गया है। अभी तीसरा टेस्ट होना बाकी है, लेकिन इससे पहले ही पाकिस्तान सीरीज हार चुका है। अचानक सात खिलाड़ियों को घर वापस भेज दिया गया है। इतना ही नहीं, कोचिंग स्टॉफ की भी छुट्टी कर दी गई है। अब मामला और भी ज्यादा गंभीर होता हुआ नजर आ रहा है। हो सकता है कि आने वाले दिनों में कुछ चौंकाने वाले खुलासे हो जाएं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी ने इंग्लैंड दौरे पर गए अपने प्लेयर्स की जांच शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि खिलाड़ियों के अनुशासन और व्यवहार की पड़ताल की जा रही है, लेकिन मामला कुछ और भी गंभीर हो सकता है, जिसको लेकर अभी कोई भी खुलकर नहीं बोल रहा है। पीसीबी का कहना है कि जांच का फैसला मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर लिया गया है। पीसीबी के मीडिया डायरेक्टर आमिर मीर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर इस बात की पुष्टि तो कर दी है कि जांच हो रही है। लेकिन इसके बाद वे गोलमोल बातें करते हुए नजर आए। दरअसल इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले दो मैच पाकिस्तानी टीम हार चुकी है। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तानी टीम के साथ ऐसा पहली बार हुआ हो, इससे पहले भी टीम इससे भी ज्यादा शर्मनाक हारों का सामना करती रही है, अब तो ये सब देखने की उसकी आदत हो गई है, लेकिन इस बार जो हड़कंप मचा, वो इससे पहले कभी नहीं हुआ। इसलिए शक की सुई इधर उधर घूम रही है। दूसरे मैच में 194 रनों से मिली हार के बाद अचानक फैसला लिया गया और स्क्वाड में शामिल सात प्लेयर्स की घर वापसी करा दी गई। बात केवल प्लेयर्स तक ही सीमित नहीं रही। हाल ही में टीम के हेड कोच बने सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को केवल छह मैचों के बाद ही पद से हटा दिया गया। इससे पहले कभी नहीं हुआ कि इतने जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को इतनी जल्दी हटाया गया हो। हालांकि खबरें तो इस तरह की आ रही हैं कि इस सीरीज के दौरान कप्तान बाबर आजम और हेड कोच सरफराज अहमद के बीच आपसी संवाद नहीं रहा। इससे टीम को हार का सामना करना पड़ा।

ईशान किशन की ख्वाहिश रह गई अधूरी, तिहरे शतक से बाल बाल चूके

दलीप ट्रॉफी के फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने दोहरा शतक तो लगा दिया, लेकिन उनकी एक ख्वाहिश अधूरी रह गई। वे अपने तिहरे शतक के बेहद करीब थे, लेकिन इससे बाल बाल चूक गए। हालांकि इसके बाद भी उन्होंने कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। इन सभी के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए। हम आपको एक एक कर सबके बारे में बताने जा रहे हैं। ईशान किशन इस बार दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन के कप्तान भी हैं और वे अपनी टीम को बेहतरीन प्रदर्शन के बल पर फाइनल तक ले आए हैं, वे अब

खिताब जीतने से केवल एक कदम की दूरी पर हैं। पहले दो दिन में खुद कप्तान ने इसकी आधारशिला रख भी दी है। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन की ओर से दोहरा शतक लगाने वाले वे पहले विकेटकीपर कप्तान बन गए हैं। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में वे दोहरा शतक लगाने वाले केवल सातवें बल्लेबाज भी बन गए हैं। इतना नहीं, ईशान किशन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने चार हजार रन भी पूरे किए और ये उनका इस फॉर्मेट में दसवां शतक भी था। ये दोनों उपलब्धियां उन्होंने एक ही पारी में हासिल कर ली। इससे पहले उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में भी शतक ठोका था।

अगर मुंह के छालों से कान में रहती है टीस तो यहां जानिए कारण और होम्योपैथिक उपचार

मुंह में होने वाले छाले अक्सर असहनीय दर्द का कारण बनते हैं, लेकिन जब इसके साथ कान में भी तेज दर्द या टीस महसूस होने लगे, तो लोग इसे कान का प्राथमिक संक्रमण मान बैठते हैं। होम्योपैथी चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, जब छाले जीभ के पिछले हिस्से, तालू या गले के पास होते हैं, तो वहां की नसें कान से जुड़ी होने के कारण दर्द कान तक पहुंचता है। इसे 'रेफर्ड पेन' कहा जाता है। जयपुर के वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. एन. सी. पंवार बताते हैं कि होम्योपैथी इस समस्या को केवल स्थानीय विकार न मानकर शरीर के आंतरिक असंतुलन, पाचन तंत्र की गड़बड़ी, तनाव और पोषण की कमी के समग्र प्रभाव के रूप में देखती है। पारंपरिक चिकित्सा जहां अक्सर छालों पर केवल दर्द निवारक जेल लगाने तक सीमित रहती है, वहीं होम्योपैथी रोग की जड़ और रोगी के व्यक्तिगत लक्षणों के आधार पर उपचार करती है।

होम्योपैथिक दृष्टिकोण और संभावित औषधियां:

मर्क सॉलः जब मुंह में छाले हों, अधिक लार बह रही हो, रात में दर्द बढ़े और निगलते समय दर्द कान की तरफ खिंचता हुआ महसूस हो, तब यह औषधि अत्यंत प्रभावी मानी जाती है।

नाइट्रिक एसिड : यदि छालों में कांटे चुभने जैसा तीखा दर्द हो, छाले से खून आने की प्रवृत्ति हो और खाते-बोलते समय दर्द सीधा कान की ओर जाए, तो इसका उपयोग लाभदायक रहता है।

बोरेक्सः मुंह के संवेदनशील छालों, जलन और गर्म भोजन से होने वाली अत्यधिक तकलीफ को शांत करने में सहायक सिद्ध होती है।

नक्स वोमिकाः पेट में कब्ज, अत्यधिक मसालेदार खान-पान और मानसिक तनाव के कारण बार-बार छाले बनने की स्थिति में यह पेट और नसों दोनों को राहत देती है।

होम्योपैथिक विशेषज्ञ डॉ. एन. सी. पंवार का कहना है कि बार-बार छाले होना शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी या विटामिन की कमी का संकेत है। उपचार के दौरान तीखे, खट्टे व अत्यंत गर्म भोजन से परहेज, गुनगुने पानी में नमक से कुल्ला और तरल व सुपाच्य आहार लेने से लाभ मिलता है। यदि कान से मवाद, बुखार या सुनने में कमी के लक्षण हों, तो विशेषज्ञ चिकित्सक से संपूर्ण जांच अवश्य करानी चाहिए।

हार्ट अटैक और स्ट्रोक से भी बचा सकती है फिजियोथेरेपी

इस साल 8 सितंबर को मनाए जाने वाले विश्व फिजियोथेरेपी दिवस 2026 का फोकस सिर्फ हड्डियों और मांसपेशियों के दर्द को दूर कर स्वस्थ बनाने तक ही सीमित नहीं है। बल्कि इस बार की थीम को हार्ट की बीमारियों और स्ट्रोक को रोकने, मैनेजमेंट और रिहैबिलिटेशन में फिजियोथेरेपी और शारीरिक गतिविधि पर फोकस किया जा रहा है। डॉक्टर इंद्रमणि उपाध्याय (HOD, फिजियोथेरेपी विभाग, सेंटर फॉर नी एंड हिप केयर, गाजियाबाद) के अनुसार, 'फिजियोथेरेपी को लोग अक्सर केवल कमर, घुटने या कंधे के दर्द से जोड़कर देखते हैं, लेकिन इसका दायरा इससे कहीं बड़ा है। नियमित और सही तरीके से की गई शारीरिक गतिविधि दिल के स्वास्थ्य, मांसपेशियों की ताकत, संतुलन और शरीर की कार्यक्षमता को बेहतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।' उन्होंने कहा कि आज की सबसे बड़ी समस्या कम मूवमेंट वाली लाइफस्टाइल बन रही है। ऑफिस में घंटों बैठना, स्क्रीन टाइम बढ़ना, वाहनों पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता और व्यायाम की कमी से शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। ऐसे में हर उम्र के व्यक्ति को अपनी क्षमता के हिसाब से नियमित शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। स्ट्रोक के बाद मरीज में हाथ-पैर की कमजोरी, चलने में परेशानी, संतुलन बिगड़ना और रोजमर्रा के काम करने में दिक्कत हो सकती है। विशेषज्ञ के अनुसार, मरीज की स्थिति के अनुरूप फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन से मूवमेंट, बैलेंस और अपने आप से रोज के काम करने की क्षमता बेहतर हो सकती है। 'स्ट्रोक के बाद रिहैबिलिटेशन को केवल अस्पताल तक सीमित नहीं रखना चाहिए।

बीपी चेक करते समय कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलतियां? जानिए सही तरीका

हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) ऐसी समस्या है, जो अक्सर बिना किसी स्पष्ट लक्षण के शरीर में बढ़ती रहती है। यही वजह है कि कई लोग लंबे समय तक इससे अनजान रहते हैं। लगातार बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर दिल की बीमारी, स्ट्रोक, आंखों की रोशनी से जुड़ी समस्याओं और डिमेंशिया जैसी गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ा सकता है। ऐसे में समय-समय पर ब्लड प्रेशर की जांच करना बेहद जरूरी है। लेकिन बीपी चेक करते समय कुछ गलतियां करने से बचना चाहिए वर्ना रीडिंग गलत भी हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया है कि बीपी मापते समय सबसे पहले सही तरीके से बैठना जरूरी है। कुर्सी पर बैठें और अपनी पीठ को अच्छी तरह सहारा दें। दोनों पैर जमीन पर सीधे रखें और पैरों को क्रॉस करके न बैठें। जिस हाथ में बीपी कफ लगाया जा रहा है, उसे किसी टेबल या सपोर्ट पर आराम से रखें। हाथ की स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि कफ दिल के स्तर पर रहे। बीपी चेक करने से पहले कम से कम 5 मिनट आराम करना चाहिए। जल्दबाजी में या चलते-फिरते तुरंत बीपी नापने से रीडिंग प्रभावित हो सकती है। इसी तरह जांच के दौरान बात करने से भी बचना चाहिए। अगर एक से ज्यादा रीडिंग ली जा रही है, तो माप के बीच भी शांत रहें और बातचीत न करें। ब्लड प्रेशर की सही रीडिंग के लिए यह भी जरूरी है कि जांच से कम से कम 30 मिनट पहले एक्सरसाइज, चाय-कॉफी और धूम्रपान से बचें। इन चीजों का असर ब्लड प्रेशर पर पड़ सकता है और रीडिंग सामान्य से अलग आ सकती है। एक और आम गलती है गलत आकार का कफ इस्तेमाल करना। बीपी मशीन के कफ अलग-अलग आकार में आते हैं, इसलिए व्यक्ति के ऊपरी बांह के अनुसार सही कफ चुनना जरूरी है। कफ इतना बड़ा होना चाहिए कि उसकी लंबाई बांह की परिधि की कम से कम 80 प्रतिशत और चौड़ाई कम से कम 40 प्रतिशत हो। कफ को नंगे हाथ या कपड़ों की बहुत पतली परत के ऊपर लगाया जा सकता है। कपड़े को मोड़कर उसके ऊपर कफ लगाने से बचें, क्योंकि इससे रीडिंग प्रभावित हो सकती है। बीपी की रीडिंग लेते समय मशीन पर दिखाई देने वाली सटीक संख्या दर्ज करें और उसे अपनी सुविधा के लिए ऊपर-नीचे करके राउंड न करें।

क्या जिम में 1 घंटे की कसरत से ज्यादा असरदार है डिनर के बाद 10 मिनट की वॉक?

रात के खाने के बाद 10 मिनट की वॉक एक छोटी सी आदत लग सकती है, लेकिन यह आपकी आपकी डेली लाइफ में फिजिकल एक्टिविटी को शामिल करने का एक असरदार तरीका साबित हो सकता है। खाने के बाद दस मिनट की वॉक को अगर आप अपनी अपनी जीवनशैली का नियमित हिस्सा बनाया जाए तो आपकी सेहत को कई फायदे मिल सकते हैं। हेल्थ कोच नितेश अग्रवाल ने 23 अगस्त की अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया है कि कैसे रात के खाने के बाद थोड़ी देर टहलना आपकी सेहत के लिए अच्छा हो सकता है।

ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलती हैः खाने के बाद टहलने से मांसपेशियां एनर्जी के लिए ग्लूकोज का इस्तेमाल करती हैं, जिससे खाने के बाद ब्लड शुगर लेवल में होने वाली बढ़ोतरी को कम करने में मदद मिल सकती है।

पाचन में मदद करता हैः नितेश के अनुसार, रात के खाने के बाद हल्की सैर करने से आपको खाने के बाद भारीपन और सुस्ती कम महसूस हो सकती है। आंतों की गतिशीलता बढ़ती है जिससे खाना जल्दी पचता है।

मेटाबोलिक हेल्थ में मददः खाने के बाद थोड़ी देर टहलना एक बेहतर और स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा हो सकता है। नितेश कहते हैं, "खाने के बाद थोड़ी देर टहलने की आदत डालने से स्वस्थ खान-पान, एक्सरसाइज और जीवनशैली की अन्य अच्छी आदतों को और बेहतर बनाया जा सकता है।

नियमितता मायने रखती हैः 10 मिनट की सैर का सबसे बड़ा फ़ायदा यह है कि इसे रोजाना की जिंदगी में शामिल करना आसान है। लंबे वर्कआउट के मुकाबले, थोड़ी देर टहलना ज्यादा आसान और लंबे समय तक जारी रखने लायक लग सकता है। वे कहते हैं, "हर दिन लंबे वर्कआउट के लिए खुद को मजबूर करने की तुलना में 10 मिनट की सैर करना ज्यादा आसान लगता है। परफ़ेक्शन से ज्यादा नियमितता मायने रखती है।

नितेश कहते हैं एक्टिव रहने का मतलब हमेशा जिम में एक घंटा बिताना नहीं होता। दिन भर में थोड़ी-थोड़ी देर के लिए एक्टिविटी करने से भी एक्टिव जीवनशैली बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

दिल को लंबे समय तक रखना है स्वस्थ तो रोज करें ये काम, कार्डियोलॉजिस्ट ने बताए जरूरी टिप्स

दिल हमारे शरीर का वह अंग है जो बिना रुके लगातार काम करता है। ऐसे में दिल को लंबे समय तक स्वस्थ रखने के लिए उसकी सही देखभाल करना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आप अपने दिल को लंबे समय तक हेल्दी और मजबूत बनाए रखना चाहते हैं तो रोजाना की कुछ छोटी-छोटी आदतों पर ध्यान देना बहुत ज़रूरी है। दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल्स में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. वनिता अरोड़ा ने ऐसी ही कुछ जरूरी डेली हैबिट्स बताई हैं, जिन्हें अपनी दिनचर्या में शामिल करके दिल की सेहत का बेहतर ख्याल रखा जा सकता है।

सिगरेट शराब का सेवन कर दें बंदः अगर आप अपने हार्ट को हेल्दी रखना चाहते हैं तो सिगरेट शराब का सेवन बंद कर दें। ये दोनों आदतें कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाती हैं।

रोजाना करें एक्सरसाइजः अगर आप चाहते हैं कि लम्बे समय तक आपका हार्ट हेल्थ बेहतर रहे तो रोजाना एक्सरसाइज करें। एक्सरसाइज रूटीन में ब्रिस्क वॉक, रनिंग, स्विमिंग और हाई इंटेंस वर्कआउट को शामिल कर सकते हैं। रोजाना कम से कम 30 मिनट से लेकर 45 मिनट तक चलने का लक्ष्य रखें।

डाइट का रखें ध्यानः हार्ट को हेल्दी रखने के लिए संतुलित आहार सबसे असरदार तरीकों में से एक है। अपनी डाइट में फाइबर और प्रोटीन से भरपूर फूड्स को शामिल करें और जंक फ़ूड, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, शुगरी फूड्स का सेवन न के बराबर करें। अच्छी डाइट फॉलो करने से ब्लड प्रेशर, बैड कोलेस्ट्रॉल और वजन को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

बैंक कर्मचारियों के लिए PLI योजना को लागू करने का फैसला स्थगित

सरकार ने सरकारी बैंक के कर्मचारियों के लिए PLI स्कीम (2025-26) के क्रियान्वयन को फिलहाल टाल दिया है। बैंक कर्मचारियों की मौजूदा रूपरेखा की समीक्षा की मांग के बाद ये कदम उठाया गया है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को बयान में कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय मजदूर संघ (BMS) के नेतृत्व में अलग-अलग सरकारी बैंक के कर्मचारियों के डेलिगेशन से मुलाकात की। डेलिगेशन ने बैंकों और कर्मचारियों से जुड़े कई मुद्दे उठाए। वित्त मंत्रालय ने कहा कि डेलिगेशन ने अन्य मांगों के अलावा एक्स-ग्रेशिया की पेमेंट, रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए मेडिकल सुविधाएं और पीएसबी कर्मचारियों पर लागू मौजूदा पीएलआई ढांचे में बदलाव की मांग की। ये फैसला अलग-अलग मांगों को लेकर देशव्यापी बैंक हड़ताल के आह्वान से पहले आया है। हड़ताल में पीएलआई योजना का मुद्दा भी शामिल है। बयान के अनुसार, कर्मचारी संगठनों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए 19 नवंबर, 2024 को जारी पीएलआई योजना को 2025-26 के लिए लागू करने का फैसला फिलहाल स्थगित रखने का फैसला लिया गया है। सरकार ने कहा कि इस मामले को चल रही द्विपक्षीय समझौता/संयुक्त नोट संबंधी वार्ता के दौरान उठाया जाएगा।

7 September, 2026 Stock Market Highlights: आईटी स्टॉक्स में भारी गिरावट, लाल निशान में बंद हुआ बाजार

7 September, 2026 Stock Market Highlights: सोमवार को एक बार फिर घरेलू शेयर बाजार ने गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार बंद किया। हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन में आईटी स्टॉक्स में भारी गिरावट देखने को मिली। आज इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयर बड़े नुकसान के साथ बंद हुए। बताते चलें कि बाजार ने आज गिरावट के साथ ही कारोबार शुरू किया था। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 382.62 अंकों (0.50 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 76,132.81 अंकों पर बंद हुआ। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स 118.55 अंकों (0.50 प्रतिशत) के नुकसान के साथ 23,779.15 अंकों पर बंद हुआ। सोमवार को सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 7 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 23 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की भी 50 में से सिर्फ 13 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 37 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस के शेयर आज सबसे ज्यादा 3.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि, देश की प्रमुख कंस्ट्रक्शन और इंजीनियरिंग कंपनी लार्सन एंड टुब्रो का शेयर आज सबसे ज्यादा 0.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। आईटीसी 0.13 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस के शेयर 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

Union Bank में 444 दिन की FD पर कितना मिलेगा ब्याज

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एक सरकारी बैंक है। ये सरकारी बैंक अपने ग्राहकों को फिक्स्ड डिपोजिट खातों पर शानदार रिटर्न दे रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में अलग-अलग अवधि वाले एफडी खातों पर 2.70 प्रतिशत से लेकर 7.30 प्रतिशत तक का ब्याज मिल रहा है। यूनियन बैंक अपने ग्राहकों को कम से कम 7 दिनों की अवधि के लिए एफडी खाता खोलने की सुविधा देता है। इसके अलावा आप इस बैंक में अधिकतम 10 साल की लंबी अवधि के लिए भी एफडी खाता खुलवा सकते हैं। आइए जानते हैं कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में 444 दिनों की एफडी पर कितना ब्याज मिल रहा है। इसके साथ ही, हम ये भी जानेंगे कि इस सरकारी बैंक में एफडी खाता खुलवाने पर वरिष्ठ नागरिकों को क्या फायदे मिलेंगे? यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 444 दिनों की एफडी स्कीम पर 6.50 प्रतिशत से लेकर 7.25 प्रतिशत तक का ब्याज दे रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 444 दिनों की अवधि वाले एफडी खातों पर 59 साल तक के सभी ग्राहकों को 6.50 प्रतिशत का ब्याज दे रहा है। इसके अलावा, ये सरकारी बैंक 60 साल या इससे ज्यादा उम्र के सीनियर सिटिजन्स को 444 दिनों की एफडी स्कीम पर 7.00 प्रतिशत का ब्याज ऑफर कर रहा है।

तनाव और पीठ दर्द से पाना है छुटकारा? जीवनशैली में शामिल करें मकरासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ते तनाव, पीठ दर्द और सांस से जुड़ी समस्याओं से राहत दिलाने में योग एक बेहतरीन माध्यम है। भारतीय संस्कृति की इस प्राचीन विधा में 'मकरासन' का खास महत्व है। यह आसन थकान मिटाने और शरीर को पूरी तरह आराम देने के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। 'मकर' शब्द का संस्कृत में अर्थ "मगरमच्छ" होता है। इस आसन में शरीर की स्थिति पानी में विश्राम कर रहे मगरमच्छ के समान प्रतीत होती है, इसलिए इसे 'मकरासन' कहा जाता है। यह आसन तनाव को दूर कर पाचन को बेहतर बनाता है और अस्थमा, ग्रीवा संबंधी तकलीफ और साइटिका के दर्द से भी राहत देता है। हठयोग की परंपरा में 'मकरासन' को एक अत्यंत प्रभावी आसन माना गया है, जहां योग के अधिकांश आसन शरीर में शक्ति, लचीलेपन और संतुलन का निर्माण करते हैं, वहीं मकरासन शरीर और मन दोनों को गहरे विश्राम की स्थिति में ले जाने का कार्य करता है। इस आसन को नियमित रूप से करना रीढ़ की हड्डी के लिए बेहद लाभकारी होता है। यह रीढ़ की हड्डी की संरचना को संतुलित बनाए रखने में मदद करता और उसमें लचीलापन बढ़ाता है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो पीठ दर्द, स्लिप डिस्क जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

20,000 रुपये तक महंगी होंगी मारुति की गाड़ियां, कंपनी ने मई के बाद तीसरी बार बढ़ाई कीमतें

देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने चुनिंदा मॉडलों की कीमतों में 20,000 रुपये तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। मारुति ने सोमवार को कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि गाड़ियों की बढ़ी हुई कीमतें इसी महीने से लागू होंगी। बताते चलें कि मई के बाद मारुति की गाड़ियों की कीमत में ये तीसरी बार बढ़ोतरी होगी। कंपनी ने इसके लिए बढ़ती लागत और महंगाई के दबाव को जिम्मेदार बताया है। इससे पहले कंपनी ने कीमतों में जो दो बढ़ोतरी की थीं, वे उसके सभी मॉडल पर लागू हुई थी। मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''कच्चे माल की लागत में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए कंपनी ने चुनिंदा मॉडलों की कीमतों 20,000 रुपये तक बढ़ाने का फैसला किया है। कीमतों में ये बढ़ोतरी सितंबर 2026 से प्रभावी होगी।'' कंपनी ने कहा कि वो पिछले कुछ महीनों से लागत घटाने के उपायों के जरिए बढ़ी हुई लागत के असर को जितना संभव हो, कम करने के लिए लगातार कोशिशें कर रही है। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा, ''हालांकि, महंगाई का दबाव ऊंचे स्तर पर बना हुआ है और लागत का प्रतिकूल माहौल भी कायम है। ऐसे में कंपनी बढ़ी हुई लागत का एक हिस्सा बाजार पर डालने के लिए मजबूर है। हालांकि साथ ही, यह सुनिश्चित करने का प्रयास जारी है कि ग्राहकों पर इसका असर न्यूनतम रहे।'' बताते चलें कि मारुति सुजुकी ने अभी हाल ही में अपने प्रीमियम हैचबैक बलेनो का नया अपडेटेड वर्जन लॉन्च किया है। नई बलेनो एक प्रीमियम और नए डिजाइन के साथ आती है। इसमें रडार और कैमरे के कॉम्बिनेशन वाला लेवल 2 ADAS और शानदार लेदरेट अपहोल्स्ट्री के साथ वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें शामिल हैं। नई बलेनो की बुकिंग अब 11,000 रुपये में शुरू हो गई है और इसकी शुरुआती कीमत 6,09,900 रुपये (एक्स-शोरूम) है। नई बलेनो में कई स्टैंडर्ड NEXA सेफ्टी शील्ड फीचर हैं, जैसे 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ESP), इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रीब्यूशन (EBD) के साथ एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (ABS), इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल, हिल होल्ड कंट्रोल, रिवर्स पार्किंग सेंसर, 3-पॉइंट सीट बेल्ट, सीट बेल्ट रिमाइंडर और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (TPMS)। शानदार नई Baleno बेहतर सुरक्षा और मन की शांति देती है। कंपनी की ओर से कीमतों में बढ़ोतरी का असर चुनिंदा मॉडलों पर ही पड़ेगा। हालांकि, किस मॉडल के किस वेरिएंट की कीमत में कितनी वृद्धि होगी, इसकी विस्तृत जानकारी संबंधित कीमत सूची में स्पष्ट की जाएगी।

186 यात्रियों की सांसें अटकीं! मलेशिया एयरलाइंस के विमान में इंजन नंबर-2 खराब, चेन्नई में इमरजेंसी लैंडिंग

कुआलालंपुर से जेद्दा जा रही मलेशिया एयरलाइंस की एक फ्लाइट को इंजन में तकनीकी गड़बड़ी के बाद सोमवार को चेन्नई की ओर मोड़ दिया गया और एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई। एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मलेशिया एयरलाइंस की उड़ान MH 156 में 186 लोग सवार थे और विमान सुरक्षित रूप से चेन्नई एयरपोर्ट पर उतर गया। उन्होंने बताया कि विमान के उतरने से पहले हवाई अड्डे पर जरूरी इंतजाम किए गए थे। अधिकारी ने बताया कि ''इंजन नंबर दो से संबंधित'' एक तकनीकी दिक्कत सामने आई थी। विमानन कंपनी और संबंधित तकनीकी दल तकनीकी समस्या की जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य है। अधिकारियों ने बताया कि विमान को 'टो' वाहन की मदद से पार्किंग क्षेत्र में ले जाया गया। उन्होंने बताया कि यात्रियों के लिए हवाई अड्डे पर ठहरने की व्यवस्था की गई है। इमरजेंसी स्थिति की सूचना मिलते ही चेन्नई एयरपोर्ट पर तुरंत फायर टेंडर, एम्बुलेंस और CISF के जवानों को अलर्ट पर रख दिया गया। विमान ने रनवे पर सुरक्षित लैंडिंग की, जिसके बाद सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला लिया गया। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इंजन में खराबी का सटीक कारण क्या था और फ्लाइट आगे जेद्दा के लिए रवाना होगी या नहीं। वहीं, आपको बता दें कि हाल ही में कोलकाता मेट्रो के एक कोच में धुआं उठने का मामला सामने आया था। घटना के बाद यात्रियों को बाहर निकाला गया और धुएं पर काबू पा लिया गया। वहीं दूसरी तरफ एयरपोर्ट पर एक विमान में बम की धमकी वाला नोट भी मिला। तकनीकी खराबी की सूचना मिलते ही चेन्नई एयरपोर्ट प्रशासन ने एहतियात के तौर पर आपातकालीन व्यवस्था सक्रिय कर दी थी। फायर टेंडर, एंबुलेंस और सुरक्षा बलों को तैयार रखा गया, ताकि लैंडिंग के दौरान किसी भी संभावित स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। विमान के सुरक्षित

उतरने के बाद राहत की स्थिति बनी और एयरपोर्ट का नियमित संचालन प्रभावित नहीं हुआ। लैंडिंग के बाद यात्रियों और चालक दल को विमान से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

विमान को टो वाहन की मदद से पार्किंग क्षेत्र में ले जाकर तकनीकी जांच शुरू की गई। संबंधित तकनीकी टीम इंजन नंबर दो में आई समस्या की वजह का पता लगाने में जुटी है। विमान की पूरी जांच के बाद ही आगे की उड़ान को लेकर फैसला किया जाएगा। यात्रियों के लिए एयरपोर्ट पर ठहरने की व्यवस्था की गई है। जेद्दा की आगे की यात्रा को लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है और विमानन कंपनी की तकनीकी जांच के बाद ही अगला कार्यक्रम तय किया जाएगा। यात्रियों को उड़ान की स्थिति के संबंध में संबंधित एयरलाइन से जानकारी लेने की सलाह दी गई है। घटना के बावजूद चेन्नई एयरपोर्ट पर अन्य उड़ानों का संचालन सामान्य बताया गया है। रनवे पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग और उसे पार्किंग क्षेत्र में हटाए जाने के बाद एयरपोर्ट की नियमित गतिविधियां जारी रहीं। विमान में तकनीकी खराबी के चलते आपातकालीन लैंडिंग की घटनाओं में सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन बेहद महत्वपूर्ण होता है।

ISRO कर्मचारियों को भविष्य को लेकर चिंता की जरूरत नहीं

स्पेस एक्सपो के उद्घाटन भाषण में इन्स्पेस के चेयरमैन पवन गोयनका ने कहा कि इसरो (ISRO) के कर्मचारियों को अपने भविष्य को लेकर चिंता करने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भी लोग यह सोचते हैं कि इन सब में ISRO की भूमिका कम हो जाएगी, उन्हें फिर से सोचना चाहिए। पवन गोयनका ने आगे कहा, "चंद्रयान सीरीज, गगनयान, भारतीय स्पेस स्टेशन, चांद पर भारतीय का जाना, शुक्र और मंगल मिशन, दोबारा इस्तेमाल होने वाला भारी पेलोड ले जाने वाला व्हीकल, Navic को मजबूत करना और SPS सीरीज के सैटेलाइट्स- मुझे नहीं लगता कि ISRO के पास कभी इतना सारा काम एक साथ रहा है। ISRO ही इन सबके लिए रीढ़ की हड्डी और मजबूत आधार बना हुआ है। लेकिन हममें से हर किसी की अपनी भूमिका है। पूरी व्यवस्था तभी आगे बढ़ती है, जब हम सब मिलकर काम करते हैं। चीजें अपनी जगह पर आ रही हैं। कुछ पहले ही बन चुकी हैं। कुछ अभी आकार ले रही हैं। और हमारे सामने बहुत बड़ा मौका है।" कर्मचारी संगठनों ने 04 सितंबर को लिखे पत्र में गोयनका की 21 अगस्त की टिप्पणियों का हवाला दिया था।

नंदीग्राम समेत 5 विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव का ऐलान, 6 अक्टूबर को वोटिंग

चुनाव आयोग ने देश की 6 सीटों पर उपचुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों और असम की एक संसदीय सीट के लिए उपचुनाव 6 अक्टूबर को होंगे। वोटों की गिनती 9 अक्टूबर को होगी। बता दें कि इन सभी सीटों पर विधायकों और सांसदों के इस्तीफे के बाद उपचुनाव हो रहे हैं। नामांकन प्रक्रिया 9 सितंबर से शुरू होगी। उम्मीदवार 16 सितंबर तक उम्मीदवार अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच यानी स्क्रूटनी 17 सितंबर को होगी, जबकि उम्मीदवार 19 सितंबर तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। 6 अक्टूबर 2026 को वोटिंग होगी और 9 अक्टूबर को मतगणना कराई जाएगी। 11 अक्टूबर को उपचुनाव की प्रक्रिया संपन्न हो जाएगी। असम की नौगांव लोकसभा सीट से सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने इस्तीफा दिया था, जिसके बाद वहां उपचुनाव हो रहे हैं। अन्य 5 विधासभा सीटों पर भी संबंधित जनप्रतिनिधियों ने इस्तीफा दिया है। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम से मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस्तीफा दिया था। वह कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से भी निर्वाचित हुए थे। मुर्शिदाबाद जिले की रेजीनगर सीट से आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) के नेता हुमायूं कबीर चुनाव जीते थे। उन्होंने नोदा विधानसभा सीट से भी चुनाव जीता था। बाद में उन्होंने रेजीनगर से इस्तीफा दे दिया था और नोदा विधानसभा के जनप्रतिनिधि के रूप में शपथ ली थी। तमिलनाडु की मदुरंतकम सीट पर विधायक मरागथम कुमारवेल और धारापुरम से पी. सत्यभामा ने इस्तीफा दिया था। वहीं, पुडुचेरी की थट्टनचावडी सीट से विधायक एन. रंगासामी ने इस्तीफा दिया था। वहीं, यूपी चुनाव से पहले अखिलेश यादव ने मास्टरस्ट्रोक खेला है। इसके तहत समाजवादी पार्टी लाल के साथ नीले रंग में भी नजर आएगी। यानी सपा अब दलित वोटरों को लुभाने की कोशिश में है। उपचुनाव की घोषणा के साथ ही संबंधित राज्यों में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। सभी प्रमुख दल अब संभावित उम्मीदवारों के चयन, स्थानीय समीकरणों और चुनावी रणनीति पर काम शुरू करेंगे। इस्तीफे के कारण खाली हुई सीटों पर होने वाले इन चुनावों में स्थानीय मुद्दों के साथ सरकार के कामकाज का मुद्दा भी प्रमुख रह सकता है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 9 सितंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी और 16 सितंबर तक उम्मीदवार अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। 17 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 19 सितंबर तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद 6 अक्टूबर को मतदान और 9 अक्टूबर को मतगणना होगी। 11 अक्टूबर तक पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न हो जाएगी। असम की नौगांव लोकसभा सीट का उपचुनाव भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सांसद के इस्तीफे के बाद खाली हुई इस सीट पर अब नए प्रतिनिधि के चुनाव के लिए मुकाबला होगा।

फर्जी दस्तावेज से पासपोर्ट बनवाने के मामले में आचार्य बालकृष्ण बरी, देहरादून सीबीआई कोर्ट का फैसला

देहरादून। देहरादून की CBI कोर्ट ने फर्जी डॉक्यूमेंट से पासपोर्ट बनवाने के मामले में पतंजलि आयुर्वेद के मैनेजिंग डायरेक्टर आचार्य बालकृष्ण को बरी कर दिया। कोर्ट ने आज करीब डेढ़ दशक पुराने मामले में फैसला सुनाया। देहरादून की तृतीय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने आचार्य बालकृष्ण को मामले में लगाए गए सभी आरोपों और संबंधित धाराओं से बरी कर दिया। बता दें कि वर्ष 2011 में आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ शिकायत की गई थी कि वह नेपाल के नागरिक हैं। उन्होंने भारतीय पासपोर्ट फर्जी दस्तावेज के आधार पर बनाया है। यह मामला उस वक्त खासा चर्चाओं में रहा। सीबीआई ने इस मामले में वर्ष 2016 में नेपाल सरकार के साथ पत्राचार किया था। आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और पासपोर्ट अधिनियम के तहत चार्जशीट दाखिल की थी। इसके साथ ही शिक्षण संस्थान के पूर्व प्रिंसिपल नरेश चंद द्विवेदी के खिलाफ भी धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोपपत्र दाखिल किया गया था। 2011 में केस दर्जः आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ अप्रैल 2011 में शिकायत मिली थी। इसके बाद CBI ने जून 2011 में प्रारंभिक जांच (PE) दर्ज की और जुलाई 2011 में FIR दर्ज कर ली। बालकृष्ण के अदालत में पेश नहीं होने पर उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (NBW) जारी किया गया।

सत्य निकेतन हादसे के बाद ओडिशा में एक्शन, कमजोर और जर्जर इमारतों पर होगी कार्रवाई

दिल्ली के सत्य निकेतन में हाल ही में हुए बिल्डिंग हादसे के बाद ओडिशा सरकार ने भी राज्य में कमजोर और असुरक्षित इमारतों की सुरक्षा को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद ओडिशा सरकार ने राज्य में सरकारी और निजी इमारतों की स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि कमजोर इमारतों के कारण किसी तरह की दुर्घटना न हो। ओडिशा के आवास एवं शहरी विकास मंत्री कृष्ण चंद्र महापात्र ने बताया कि शहरों में मौजूद कमजोर सरकारी इमारतों को गिराने की कार्रवाई की जा रही है। मंत्री के मुताबिक, जो सरकारी भवन काफी कमजोर हो चुके हैं और लोगों के लिए सुरक्षित नहीं हैं, उन्हें ध्वस्त किया जाएगा। इसके साथ ही असुरक्षित निजी इमारतों को लेकर भी कार्रवाई की जाएगी। ऐसी इमारतों के मालिकों को उन्हें गिराने के लिए नोटिस जारी किए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि कई कमजोर स्कूल भवनों और आंगनवाड़ी केंद्रों को गिराने के लिए पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं। यानी केवल सरकारी कार्यालय ही नहीं, बल्कि बच्चों के पढ़ने और आंगनवाड़ी जैसी जगहों की सुरक्षा पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

मंत्री कृष्ण चंद्र महापात्र ने यह भी बताया कि शहरों की सीमा के अंदर मौजूद असुरक्षित इमारतों को गिराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन को ऐसी इमारतों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है और सरकार इस पूरे मामले पर सख्त नजर रख रही है। बता दें कि दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए हादसे के बाद ओडिशा सरकार की इस कार्रवाई का मकसद कमजोर और जर्जर इमारतों से होने वाले संभावित हादसों को रोकना है। फिलहाल राज्य में ऐसी इमारतों की पहचान और उन्हें हटाने की प्रक्रिया पर ध्यान दिया जा रहा है। दरअसल, दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक पांच मंजिला इमारत गिर गई। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि 5 लोग घायल हैं। घटना के बाद 27 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। पीजी ओनर हरिराम को पुलिस ने राजस्थान के भिवाणी से गिरफ्तार कर लिया गया है। ओडिशा सरकार के निर्देश के बाद स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों के स्तर पर असुरक्षित इमारतों की पहचान का काम तेज किया जा रहा है।

क्या ISRO का निजीकरण हो जाएगा? अफवाहों पर चेयरमैन का जवाब सुनकर कर्मचारी राहत की सांस लेंगे

ISRO के 9 कर्मचारी संगठनों की चिट्ठी पर चेयरमैन का जवाब सामने आया है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के निजीकरण की आशंका जताते हुए इसरो के अलग-अलग कर्मचारी संघटनों की चिट्ठी के जवाब में इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि इसरो कर्मचारियों को अपने रोजगार और भविष्य को लेकर किसी भी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है। निजी प्लेयर्स की भूमिका का मकसद देश की अंतरिक्ष क्षेत्र की क्षमताओं का विस्तार करना है और इसरो निजी क्षेत्रों को मदद करने के साथ-साथ सारे अहम और डीप स्पेस प्रक्षेपण इसरो के पास ही रहेंगे। ISRO चेयरमैन ने कहा, हमारा स्पेस प्रोग्राम 64 साल पुराना है। अभी हमारे पास अंतरिक्ष में 56 स्पेस एसेट्स हैं जो देश के आम लोगों की सेवा कर रहे हैं। लेकिन हमें बहुत बड़ी संख्या में इनकी ज़रूरत है। मुझे लगता है कि आप सब यह जानते हैं, स्पेस सेक्टर में सुधार 6 साल पहले शुरू किए गए थे। अब उसके अनुसार हमें प्राइवेट सेक्टर की स्टार्टअप कंपनियों की मदद करनी है और स्पेस इकोसिस्टम को बढ़ाना है।

असल में, जब भी कोई PSLV या GSLV लॉन्च होता है, तो कृपया यह न सोचें कि सब कुछ ISRO के अंदर ही किया जाता है। लगभग 80% बजट भारतीय उद्योगों में लगाया जाता है। आगे उन्होंने कहा, 450 उद्योग हमारे लिए काम कर रहे हैं। अभी हम इसी स्थिति में हैं। तो धीरे-धीरे, मेरे साथियों को जो भी चिंताएं हैं और वे जायज चिंताएं हैं, उन्हें दूर करना हमारी जिम्मेदारी है। लेकिन बात बस इतनी है कि अब देश की जरूरत हर साल लगभग 50 लॉन्च व्हीकल्स की है और हमें आगे बढ़ना है। इससे पहले स्पेस एक्सपो के उद्घाटन भाषण में इन्स्पेस के चेयरमैन पवन गोयनका ने कहा कि इसरो के कर्मचारियों को अपने भविष्य को लेकर चिंता करने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भी लोग यह सोचते हैं कि इन सब में ISRO की भूमिका कम हो जाएगी, उन्हें फिर से सोचना चाहिए। बता दें कि इसरो के 9 कर्मचारी संगठनों ने चार सितंबर को अंतरिक्ष एजेंसी के अध्यक्ष वी. नारायणन को पत्र लिखकर, विनिर्माण और संचालन से जुड़े कार्य को निजी कंपनियों को सौंपने के प्रस्ताव पर आधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा है। वे भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के अध्यक्ष पवन गोयनका की 21 अगस्त को की गई टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे। इसरो ने पोस्ट में कहा कि जिन क्षेत्रों में उसकी वैज्ञानिक विशेषज्ञता सबसे ज्यादा मायने रखती है, उनमें उसकी भूमिका धीरे-धीरे मजबूत होगी- जैसे कि अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास, उन्नत प्रौद्योगिकी, मानव अंतरिक्ष उड़ान, अगली पीढ़ी की प्रक्षेपण प्रणाली, गहन अंतरिक्ष और ग्रहों के मिशन, और रणनीतिक राष्ट्रीय क्षमताएं। संगठन लंबे समय से यह मांग कर रहे हैं कि अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ इसरो की संस्थागत भूमिका और कर्मचारियों के हितों को भी स्पष्ट रूप से सुरक्षित रखा जाए। चेयरमैन के बयान से संकेत मिलता है कि निजी कंपनियों को बढ़ावा देने का उद्देश्य इसरो की भूमिका को समाप्त करना नहीं, बल्कि देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम का विस्तार करना है।

CM विजय ने विधानसभा में दे दी बड़ी चेतावनी, बोले- 'मेरी जीत के पीछे महिलाएं मुख्य वजह

तमिलनाडु में विधानसभा सत्र के दौरान सोमवार को राज्य के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय विपक्षी दलों पर बुरी तरह से भड़क उठे हैं। विजय ने विधानसभा में कहा कि लोगों ने अन्ना, एमजीआर, एनटीआर और अब विजय जैसे नेताओं को जनादेश दिया है। विजय ने इस दौरान ये भी कहा कि उनकी जीत के पीछे मुख्य वजह महिलाएं हैं और वे उनके खिलाफ अभद्र भाषा नहीं बर्दाश्त करेंगे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में कहा- "मेरी राजनीतिक जीत के पीछे महिलाएं मुख्य वजह हैं। मैं महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की अभद्र भाषा को बर्दाश्त नहीं करूंगा। राजनीतिक आलोचना तीखी हो सकती है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ कोई अपमानजनक टिप्पणी नहीं होनी चाहिए।" मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में DMK पर भी बड़े आरोप लगाए। सीएम विजय ने कहा- पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके सहयोगियों ने TASMAC की हर शॉप से 10 से 100 रुपये तक की वसूली की। उन्हें करूर गैंग कहा जाता था।

उन्होंने सुनियोजित तरीके से भ्रष्टाचार को अंजाम दिया। जहां पर भी DMK है वहां गलत काम होंगे ही। जहां भी DMK मौजूद है, वहां गलत काम होते हैं।" मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में कहा- DMK ने मुझे 3 विभागों की फाइल खोलने की चुनौती दी है।

घर के बाहर शोर का विरोध करने पर मणिपुर के पूर्व संगीतकार की दिल्ली में पीट-पीटकर हत्या, डिलीवरी बॉय और ढाबा कर्मियों पर पिटाई का आरोप

दिल्ली के सनलाइट कॉलोनी थाना क्षेत्र अंतर्गत किलोकरी गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक शख्स की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि मृतक ने अपने घर के बाहर ढाबा कर्मचारियों और डिलीवरी बॉयज द्वारा किए जा रहे शोर-शराबे का विरोध किया था। विरोध करने पर 54 वर्षीय विक्रम सिंह की लात-घूंसों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या की धाराओं में प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है इसमें एक नाबालिग भी शामिल है। 7 सितंबर को सनलाइट कॉलोनी पुलिस स्टेशन में GD नंबर 10A के तहत एक PCR कॉल मिली। यह कॉल किलोकारी गांव के रहने वाले 54 वर्षीय सी.विक्रम सिंह के साथ मारपीट के बारे में थी। जरूरी कार्रवाई के लिए यह मामला ASI वीरेंद्र सिंह को सौंपा गया है। शुरुआती जांच से पता चला कि मृतक एक रिटायर्ड म्यूजिशियन थे और उन्होंने अपने घर के सामने डिलीवरी बॉय और ढाबा कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे शोर-शराबे का विरोध किया था। मृतक विक्रम सिंह एक रिटायर्ड म्यूजिशियन थे और उन्होंने अपने घर के सामने डिलीवरी बॉय और ढाबा कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे शोर-शराबे और उपद्रव पर आपत्ति जताई थी। जब विक्रम सिंह ने नीचे उतरकर उन लोगों को मना किया और आपत्ति जताई तो आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। उनके साथ लात-घूंसों से जमकर मारपीट की गई, जिससे उन्हें गंभीर अंदरूनी चोटें आईं।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415